हरिभूमि

जींद-कैथल भूमि

रोहतक, सोमवार, 22 दिसंबर, 2025

तापमान

अधिकतम 19 .0 डिग्री
न्यूनतम 08 .0 डिग्री

10 निर्माण मजदूरों ने डिप्टी स्पीकर प्रतिनिधि...

10 कैबिनेट मंत्री ने बलिदानी मनीष को किया नमन

खबर संक्षेप

साइबर धोखाधड़ी होने पर 1930 पर करें सूचित

कैथल। डीसी अपराजिता ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में साइबर धोखाधड़ी के मामले सामने आ रहे हैं। बैंकिंग धोखाधड़ी, यूपीआई फिशिंग, फेक लिंक और अन्य ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए आमजन को सतर्क रहने की जरूरत है। किसी भी अनजान कॉल, संदिग्ध लिंक या बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें।

अवैध असलहा के साथ युवक चढा पुलिस हत्थे

जींद। सीआईए स्टाफ सफीदों ने रामपुरा रोड के निकट एक युवक को काबू कर उसके कब्जे से एक पिस्तौल तथा दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। शहर थाना सफीदों पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। सीआईए स्टाफ सफीदों को सूचना मिली थी कि सफीदों के रामपुरा रोड पर एक युवक अवैध असलहा के साथ खड़ा हुआ है। जो कहीं जाने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवक को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक पिस्तौल तथा दो जिंदा कारतूस बरामद हुए।

युवक को चाकू मारने में दो आरोपी गिरफ्तार

कैथल। गांव शेरगढ़ के राजकीय स्कूल के बाहर एक युवक पर चाकू से वार करके जानलेवा हमला करने के मामले में थाना तितरम पुलिस के एसआई जोगिंदर की टीम द्वारा आरोपी कैथल निवासी आजाद व बंटी को गिरफ्तार कर लिया गया। डीएसपी सुशील प्रकाश ने बताया कि 19 दिसंबर की शाम करीब 4 बजे गांव शेरगढ़ स्कूल के बाहर कई युवको ने एक युवक का रास्ता रोककर चाकू से वार करके कातिलाना हमला किया गया था। इसकी पहचान 16 वर्षीय प्योदा रोड़ कैथल निवासी अंकित के रूप में हुई है।

सड़क हादसे में घायल युवक ने तोड़ा दम

जींद। गांव सिंघपुरा के निकट सड़क हादसे में घायल हुए युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। सदर थाना सफीदों पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव कारखाना निवासी रामचंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत नौ दिसंबर को उसके बेटे को गांव सिंघपुरा के निकट अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। जिसमें उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना को अंजाम देकर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया था। जिसे गंभीर हालात में पीजीआई रेफर किया गया था। जहां पर बीती रात उपचार के दौरान उसके बेटे की मौत हो गई।

कहासुनी के चलते युवक को पेंचकस घोपा, रेफर

जींद। नरवाना की इंदिरा कालोनी में कहासुनी के बाद दो युवकों ने एक युवक पर पेचकस से ताबड़तोड वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। शहर थाना नरवाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर दोनों युवकों के खिलाफ जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उ दीपक तथा मोहित से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई।

व्यक्ति के खाते से पचास हजार रुपये गायब

जींद। व्यक्ति के खाते से लगभग पचास हजार रुपये गायब होने पर साइबर थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पिल्लूखेड़ा निवासी सुशील ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 13 दिसंबर को उसके खाते से लगभग पचास हजार रुपये की राशि गायब हो गई। राशि को ऑनलाइन ट्रांसफर किया गया है।

दस ट्रेनें निर्धारित समय से देरी से पहुंची, यात्रियों को हुई परेशानी

दो डिग्री गिरा तापमान, बढ़ी ठंडक से आमजन परेशान

घनी धुंध और कोहरे से सडकों पर रेंगे वाहन, देरी से शुरु हुई दिनचर्या

आमजन सहित पशुओं को सर्दी व शीतलहर से बचाव को लेकर एडवाइजरी जारी

रविवार को मौसम में आर्दता 98 प्रतिशत और हवा की गति पांच किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

सर्दी के मौसम की घनी धुंध और कोहरे ने रविवार को चौथे दिन भी जनजीवन को अस्त-व्यस्त रखा। सुबह के समय घनी धुंध व कोहरे के चलते यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई। रेलगाडिय़ां देरी से अपने गंतव्यों पर पहुंची और बस सेवाएं भी प्रभावित हुई। यात्रियों को कडाके की ठंड के बीच वाहनों का इंतजार करते हुए देखा गया। हालांकि दोपहर को धुंध का असर कम हुआ और धूप खिली तो कुछ राहत मिली। तापमान के लुढकने के चलते दिनभर कंपकंपी छुटती रही। तापमान में गिरावट तथा धुंध को फसलों के लिए फायदेमंद माना जा रहा है। रविवार को अधिकतम तापमान 19 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान आठ डिग्री दर्ज किया गया। दृश्यता सिमट कर पांच मीटर रह गई। जबकि मौसम में आर्दता 98 प्रतिशत और हवा की गति पांच किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार ठंड ओर बढेगी साथ ही तापमान में भी गिरावट आएगी। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों का सलाह दी है कि वे फसलों में शाम को हल्की सिंचाई अवश्य करें।

जींद। सुबह के समय छाई धुंध के बीच बस अड्डा पर परेशान यात्री व सुबह के समय लाइट जला गुजरते हुए वाहन। फोटो: हरिभूमि

सड़कों पर छाई घनी धुंध

रविवार को सुबह की शुरूआत घनी धुंध के साथ हुई। सड़कों पर वाहनों को एक दूसरे के पीछे लाइट जलाकर रेंगते देखा गया। यातायात के साधन देरी से निकले और देरी से ही अपने गंतव्य पर पहुंचे। सड़क किनारे घनी धुंध व कोहरे के बीच लोगों को भी ठिठुरते देखा गया। लगभग डेढ़ बजे सूर्य देवता ने आसमान से दर्शन दिए तो धुंध छंटना शुरु हुई। जिसके बाद लोगों को ठंड से कुछ राहत मिली और धूप सेकने के लिए लोग बाहर निकले।

पशुओं और पशुधन का रखें ध्यान

शीतलहर के दौरान पशुओं और पशुधन को जीवन यापन के लिए अधिक भोजन की आवश्यकता होती है। क्योंकि ऊर्जा की आवश्यकता बढ़ जाती है। रात के समय पशुओं के आवास को सभी तरफ से ढक दें ताकि ठंडी हवाओं के सीधे संपर्क में आने से बचा जा सके। शीत लहर के दौरान जानवरों को खुले क्षेत्र में न छोड़ें। जानवरों को ठंडा चारा और ठंडा पानी देने से बचें। पशु आश्रय में नमी और धुएं को नहीं रहने दें। वहीं आपातकालीन स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 112 पर फोन कर सहायता लें।

घने कोहरे में सावधानी से चलें, सुरक्षित रहें : डीसी

डीसी मोहम्मद इमरान रहा ने कहा कि सर्दी के मौसम में घने कोहरे के दौरान विशेषकर सुबह और रात के समय कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम हो जाती है। ऐसे में वाहन चालकों को सीमित गति में, अपनी निर्धारित लेन में रह कर और यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करते हुए वाहन चलाना चाहिए ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके।

ट्रेनें देरी से चलने से यात्री परेशान

धुंध के चलते रविवार को भी दस ट्रेनें अपने निर्धारित समये की बजाय देरी से जंक्शन पहुंची। इनमें सबसे ज्यादा 22479 शरबत दा भला रही। जो कि 9:00 की बजाय दोपहर 02:20 बजे जींद आई। इससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। पिछले कई दिनों से धुंध ने ट्रेनों का शेडयूल बिगाड़ दिया है। इनमें श्रीगंगानगर इंटरसिटी 10:31 की बजाय 11:03 बजे, अवध-असम 04:27 की बजाय 05:44 बजे, जाखल-दिल्ली 06:01 की बजाय 06:54 बजे, धौलाधार एक्सप्रेस 06:52 की बजाय 08:03 बजे, पतालकोट एक्सप्रेस 08:37 की बजाय 09:24 बजे, कुरुक्षेत्र-जींद पैसेंजर का 12:10 निर्धारित समय है ।

ऐसे करें ठंड से बचाव

हरियाणा सरकार ने आमजन सहित पशुओं को सर्दी व शीतलहर से बचाव को लेकर विशेष एडवाइजरी जारी की है। आमजन सावधानी बरतकर सर्दी से अपना व अपने पशुओं का बचाव कर सकते हैं। सर्दी से बचाव के लिए आमजन अपने पास पर्याप्त कपड़ों का स्टॉक करें। घर में ठंडी हवा का प्रवेश रोकने के लिए दरवाजों तथा खिड़कियों को ठीक से बंद रखें। जितना संभव हो सके घर के अंदर रहें और ठंडी हवा, बारिश, बर्फ के संपर्क में आने से बचने के लिए कम से कम यात्रा करें। गर्म कपड़े पहनें और खुद को सूखा रखें और पानी में भीगने से बचें। शरीर की गरमाहट बनाए रखने के लिए अपने सिर, गर्दन, हाथ और पैर की उंगलियों को पर्याप्त रूप से ढककर रखें।

राजौंद। ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा लेते हुए लोग। फोटो: हरिभूमि

ठंडक बढ़ने से जन जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त

- शीत लहर का प्रकोप जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭राजौंद

शीतलहर के चलते मौसम में ठंडक बढऩे से जन जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त होकर रह गया है। इससे पूरा दिन ठंड से जीवन अस्त.व्यस्त हो कर रहा गया। इस सर्द हवाओं में मौसम में ठंड के एहसास को एक बार फिर बढ़ा दिया है। ठंड का एहसास होने से दुकानदारों का धंधा भी पूरी तरह चौपट होकर रह गया ठंड से बचने के लिए दुकानदार के साथ साथ आमजन अलाव का सहारा लेते हुए दिखाई दिए। ठंड का असर बेजुबान पशु पक्षियों पर भी देखने को मिला। ठंड की अधिकता गेहूं की फसल की सोने पर सुहागा साबित हो रही है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार इससे गेहूं की पैदावार ककाफी अच्छी होने की संभावना है जितनी ज्यादा ठंड पड़ेगी उतना ही गेहूं को लाभ मिलेगा।

गेंहू को लाभ

इस बार किसान किसान कुलदीप कुमार,राजेश कुमार, सुनील रामपाल राजकुमार दीपक नरेंद्र अनुराग का कहना है कि यह ठंड गेहूं की फसल में खाद का काम करेगी और इससे फसलों में अच्छा फुटाव होगा।

धुंध तथा ठंड फसलों के लिए फायदेमंद

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार धुंध तथा ठंड फसलों के लिए फायदेमंद है। जिससे फसलों को अच्छी ग्रोथ मिलेगी और फुटाव भी होगा। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को सलाह दी है कि वे तापमान में गिरावट व ठंड को देखते हुए खेतों में शाम को हल्की सिंचाई जरूर करें। इसके अलावा खेतों में खाद का भी प्रयोग करें। पांडू पिंडारा कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि पहाडों में हुई बर्फबारी के कारण तापमान में ओर गिरावट आएगी।

गांव पाई में एक बार फिर 13 साल पहले जैसे हालात बने

- परिवार को दी पुलिस सुरक्षा
- बना तनाव का माहौल

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

कैथल के गांव पाई में एक बार फिर 13 साल पहले जैसे हालात बन गए हैं। जिस प्रकार वर्ष 2012 में फकीरचंद और राजवीर की हत्या के बाद उनके परिवारों को पुलिस की सुरक्षा दी गई थी और लोग उनकी गली में आने से भी परहेज कर रहे थे, अब इसी तरह से 2 दिन पहले मारे गए वीरभान और राजेंद्र के परिवार को भी सुरक्षा दी गई है। पुलिस के पहरे में ही परिवार के सदस्य अपने घरों में रह रहे हैं। दूसरी ओर पुलिस प्रयास कर रही है कि हत्या करने वाले आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए और उनको बेल तक न मिले। घर में आने-जाने वाले बाहर के लोगों पर भी निगरानी रखी जा रही है।

2012 में भी हुआ था डबल मर्डर

बता दें कि, 2012 में जब राजेंद्र व उसके अन्य 13 साथियों ने गंडासियों से हमला कर राजवीर और फकीरचंद की हत्या की थी। तब भी गांव में एक महीने से ज्यादा समय तक पुलिस की टीम तैनात रही थी। जहां दोनों के घरों पर पुलिस का पहरा था, वही गांव में भी समय-समय पर पुलिस की गाड़ियां गश्त कर रही थी। अब फिर से राजेंद्र और वीरभान उर्फ भाना की हत्या के बाद यही हालात बने हुए हैं। दिन में पुलिस की टीमों के अलावा पीसीआर की गाड़ियां कई बार गश्त कर रही हैं।

कैथल। गांव पाई में पूछताछ करते पुलिस कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

परिवार के सदस्यों के साथ जा रही पुलिस

परिवार के सदस्य अगर बाहर किसी छोटे से काम के लिए भी जाते हैं तो उनके साथ किसी ने किसी पुलिस कर्मचारी को भेजा जाता है, ताकि वह सुरक्षित घर लौट सके। वहीं बिना पुलिस के परिवार के सदस्यों को बाहर जाने के लिए अनुमति नहीं मिल रही है। गांव में भी घटना के बाद तनाव का माहौल है।

परिवारों में डर का माहौल

राजेंद्र व वीरभान उर्फ भाना के घर के बाहर पुलिस कर्मचारियों को दिन-रात के लिए तैनात कर दिया गया है। परिवारों के सदस्य सहमे हुए हैं कि आरोपी कहीं उन पर हमला न कर दें। हालांकि पुलिस ने अभी सुरक्षा तो दे दी है लेकिन यह अनुमान नहीं है कि कितने दिन तक यहां पुलिस के तैनाती रहेगी।

परिजनों को दी गई सुरक्षा : एसपी

मामले को लेकर एसपी उपासना ने बताया कि दोनों परिवारों को पुलिस की ओर से सुरक्षा दे दी गई है। इस बार पुलिस की ओर से यह भी नया प्रयास किया गया है कि जिन आरोपियों ने इस समय चाचा भतीजे की हत्या की है, उनको जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और वे किसी तरह बेल न ले सकें। उन्हें गिरफ्तारी के बाद जेल में ही रखा जाए। परिवार के सदस्य काम से अगर बाहर जाते हैं तो उनके साथ पुलिस कर्मचारियों को भेजा जा रहा है।

भाजपा की बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर

- भाजपा जिला कार्यालय पर महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

भाजपा जिला कार्यालय कपिल कमल कैथल में जिला कार्यकारिणी की एक महत्त्वपूर्ण बैठक का आयोजन भाजपा कैथल जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा कैथल जिला प्रभारी अमरपाल राणा तथा अटल स्मृति वर्ष कार्यक्रम के हरियाणा प्रदेश सह संयोजक वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक गुर्जर उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने तथा आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा पर गहन चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का संगठन कार्यकर्ता आधारित है और प्रत्येक बूथ को सशक्त बनाना पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने जिले की संगठनात्मक गतिविधियों पर आधारित जिला रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। जिला प्रभारी अमरपाल राणा ने कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं से निरंतर संवाद ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है।

कैथल। कपिल कमल कार्यालय में बैठक के दौरान भाजपा नेता व कार्यकर्ता।

ये रहे मौजूद

पूर्व जिलाध्यक्ष मुनीष कठवाड़ ने बूथ स्तर पर होने वाले छह प्रमुख कार्यक्रमों और बूथ सशक्तिकरण अभियान की जानकारी दी। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुभाष हजवाना ने आत्मनिर्भर भारत अभियान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विशेष रूप से पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा, राव सुरेंद्र सिंह, सुभाष हजवाना व सुरेश रविश, नगर परिषद कैथल चेयरपर्सन सुरभि गर्ग व वाइस चेयरपर्सन सीमा वाल्मीकि, बबीता रानी, रेखा रानी, सुरेश संधू व मुनीष शर्मा, हिमांशु गोयल एडवोकेट, मांगेराम जिंदल, शैली मुंजाल, कुलविंदर राणा, आदि उपस्थित रहे।

विवि व यूजीसी नेट परीक्षा की तिथि में टकराव

जींद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने जींद विवि की आगामी परीक्षाओं की तिथि एवं यूजीसी नेट परीक्षा की तिथि में टकराव को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। एबीवीपी का कहना है कि एक ही समय पर दोनों महत्वपूर्ण परीक्षाएं आयोजित होने से हजारों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो सकता है। एबीवीपी जींद के विश्विद्यालय अध्यक्ष राहुल कक्कड़ ने बताया कि जींद विश्वविद्यालय और जींद यूनिवर्सिटी से संबंधित डिग्री कॉलेज के छात्र तैयारी कर रहे हैं। जींद विश्वविद्यालय परीक्षा और यूजीसी नेट की तिथियां एक ही दिन पड़ रही हैं।

परिवहन मंत्री आवास पर 18 जनवरी को मांगों के लिए न्याय मार्च निकालेंगे रोडवेज कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

आगामी 18 जनवरी को परिवहन मंत्री आवास अंबाला छावनी में होने वाले न्याय मार्च की तैयारी को लेकर हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चे के राज्य नेता निशान सिंह, जयबीर घणघस, अनूप लाठर और डिपो प्रधान राममेहर रेढू व चेयरमैन राजकुमार रधाना ने कहा कि सरकार कर्मचारियों की मांगों को जायज मान कर समय-समय पर कर्मचारी नेताओं के साथ बैठक कर के समझौता तो कर लेती है। परंतु मानी गई जायज मांगों को लागू नही कर रही है। कर्मचारियों की मानी गई मांगों को लागू करवाने के लिए व रोडवेज विभाग विरोधी नीतियों के विरोध में 18 जनवरी को अंबाला छावनी में परिवहन मंत्री आवास पर न्याय मार्च निकाला जाएगा। जिसमें प्रदेशभर से सभी डिपो व सब डिपो के कर्मचारी भाग लेंगे।

- मांगे पूरी नहीं होने पर दिया जाएगा आंदोलन को बड़ा रूप

रोडवेज कर्मचारी यूनियन प्रदेशाध्यक्ष अनूप लाठर।

ये है प्रमुख मांगें

कर्मचारियों की मुख्य मांगों में प्रदेश की जनसंख्या आधार पर सरकारी बसें खरीद कर रोडवेज बेड़े में शामिल की जाए। चालक, परिचालक के रिक्त पदों पर नई भर्ती की जाए। कोहरे व कोरोना काल जैसी विपरित समय में जोखिम ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों को जोखिम भत्ता दिया जाए। चालक, परिचालक, लिपिक, स्टोर कीपर का पे ग्रेड बढ़ाया जाए।

डीएवी कॉलेज मैदान में ओपन सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने किया शुभारंभ, विधायक सतपाल जांबा रहे अध्यक्ष

कबड्डी में हरियाणा की लड़कियों ने पंजाब को 21-17 से हराया

हरिभूमि न्यूज ⏭पूंडरी

पूंडरी के डीएवी कॉलेज खेल मैदान में गुरु ब्रह्मानन्द खेल कबड्डी क्लब पूंडरी द्वारा ओपन सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में हरियाणा और पंजाब की नामी टीमों ने भाग लेकर अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक सतपाल जांबा ने की। मुख्य तौर पर कबड्डी खेल फ़ेडरेशन के चेयरमैन गुलाब सैनी ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान खेले गए मुकाबलों में सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र लड़कियों के बीच हरियाणा व पंजाब की टीमों के बीच खेला गया मुकाबला रहा। कड़े संघर्ष से भरे इस मैच में हरियाणा की टीम ने पंजाब को 21-17 अंकों से पराजित कर दर्शकों का दिल जीत लिया।

पूंडरी। पूंडरी में कबड्डी खेलते हुए खिलाड़ी। फोटो: हरिभूमि

कैबिनेट मंत्री ने किया प्रोत्साहित

कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों के लिए अनेक जनहितकारी नीतियां बनाकर सुविधाएं व लाभ पहुंचा रही है। कबड्डी खेल फेडरेशन के चेयरमैन गुलाब सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार कबड्डी को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक ले जाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। खिलाड़ियों को हर सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है ताकि वे देश व प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। अध्यक्षता कर रहे विधायक सतपाल जांबा ने क्लब सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन पारंपरिक खेल कबड्डी को नई पहचान देने का कार्य कर रहे हैं।

यूनिवर्सिटी गेट पर फायरिंग मामले में असला सप्लायर गिरफ्तार

कैथल। एनआईआईएलएम यूनिवर्सिटी कैथल में छात्रों के लड़ाई झगड़े व यूनिवर्सिटी गेट पर फायरिंग मामले की जांच चौकी क्योड़क पुलिस प्रभारी एएसआई मोहन लाल की टीम द्वारा करते हुए असला सप्लायर आरोपी नरवाना निवासी सोमबीर को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की नितिन निवासी क्योड़क की शिकायत अनुसार वह एनआईआईएलएम यूनिवर्सिटी कैथल में बीएससी स्पोर्ट द्वितीय वर्ष का छात्र है। 4 दिसम्बर को वह करीब 12:15 बजे क्लास खत्म कर घर जा रहा था। यूनिवर्सिटी गेट पर एक काली स्कॉर्पियो में बैठे कुछ युवक गेट पर मौजूद लड़कों से झगड़ा कर रहे थे और लाठी-डंडों से कार के शीशे तोड़ रहे थे। स्कॉर्पियो सवार युवक गाड़ी को गेट के बाहर ले गए और बाहर खड़े लड़कों पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। इसी दौरान कार सवार एक युवक ने अचानक फायरिंग कर दी, जिसकी एक गोली नितिन के बाएं पैर में लगी। हमलावरों ने दो और राउंड फायर किए और मौके से फरार हो गए। जिस बारे थाना सदर में मामला दर्ज किया गया। मामले में पहले ही आरोपी बाता निवासी कर्ण, अरुण, शिधांशु तथा हर्ष उर्फ हन्नी को काबू किया जा चुका है। आरोपी हर्ष ने अवैध असले से फायर किए थे।

हारना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपनों से हो, और जीतना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपने आप से हो।

-हरिवंश राय बच्चन

समय अपनी गति से चलता रहा और वंदना अपने काम की दुनिया में मस्त हो गई। उसकी मेहनत को देखते हुए कंपनी ने उसे सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नियुक्त कर दिया और तब उसकी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर यानि मालिक घोष के बेटे मिलिंद की नजर वंदना पर पड़ी और वह उसकी सूरत और सीरत का कायल हो गया, यानि उसे वंदना से प्रेम हो गया।

कहानी

आशमा कौल

ढाल

खिड़की पर खड़ी वंदना को पता ही नहीं चला कि मीठी हवा ने अचानक आंधी का रूप कब ले लिया और किरकिरी उसकी आँखों में समा गई। उसने तुरंत खिड़की बंद की और बेसिन पर अपनी दुखती आँखों में पानी के छींटें मारने लगी। शीशे में देखा तो दोनों आँखें लाल थी, वैसे भी उसे इसकी आदत हो चुकी थी। मन का हर गुबार वह बाथरूम में ही आकर निकालती थी। वंदना का ब्याह हुए दो वर्ष हो चुके हैं। बचपन में वंदना, घर भर की दुलारी और लाड़ली बेटी बहुत नाजों में पली थी, माँ-पिताजी कॉलेज में अधिवक्ता थे तो वंदना भी पढ़ने में होशियार रही।

'वंदू रानी, वंदू रानी कहाँ चली'- कहते हुए माँ वंदना को बाहों में भर लेती और वंदना खिलखिलाते हुए अपनी सहेलियों के साथ खेलने की जिद करती। चुलबुली वंदना अपनी सहेलियों की भी चहेती थी। मुस्कराती और खिलखिलाती वंदना सभी का दिल पल भर में मोह लेती थी। स्कूल पूरा हुआ तो वंदना ने इंजीनियरिंग में दाखिला लिया और चार साल की पूरी मेहनत के बाद एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत हो गई। वंदना के पास उड़ने के लिए अब पूरा आसमान था और वंदना के पंखों में भी बहुत हौंसला था। वह हर दिन जोश से अपने टारगेट पूरे करती तो सबका सम्मान भी पाती। अपनी कंपनी से बेस्ट इंजीनियर का खिताब भी वह कई बार पा चुकी थी। दिन भर की व्यस्तता के बाद जब वंदना और उसके मम्मी-पापा शाम को मिलते तो वह अपनी बिटिया की उपलब्धियां देख सुनकर गर्व से फूले न समाते। डिनर टेबल पर पापा और बेटी के बीच दिन भर की चर्चा चलती। उस दिन भी गपशप चल रही थी जब माँ ने कहा 'वंदना अब मैं तुम्हारा ब्याह करना चाहती हूँ, कोई लड़का तुम्हारी नजर में है तो मुझे बिना झिझके बता दोश'। माँ की बात सुन वंदना अचानक सकते में आ गई – 'माँ आज अचानक आपको मेरे ब्याह का ख्याल कैसे आ गया'।

'जब बेटी बड़ी हो जाती है तब माँ की नींद गायब हो जाती है, तुम नहीं समझोगी'

'पापा देखो, आप ही समझाओ माँ को कि अभी इतनी जल्दी न करे, अभी तो मेरा कैरियर शुरू हुआ है'

'बेटा तुम सही कह रही हो लेकिन माँ भी अपनी जगह सही है। हर चीज़ समय पर अच्छी लगती है और अभी तो हमारी सुंदर गुणवान बेटी के लिए लड़का ढूँढने में भी समय लगेगा, देखो शादी के बाद भी तुम अपनी लग्न से बुलंदियाँ छू सकती हो' – पापा ने कहा तो माँ ने तुरंत तसल्ली देते हुए कहा– " मैंने भी तो शादी के बाद अपनी नौकरी जारी रखी और आज भी पढ़ा रही हूँ, तुम भी आगे अपना पैशन फॉलो करना, चलो अब आराम करो कल फिर सुबह निकलना है'।

मम्मी-पापा को शुभ रात्रि कह कर वंदना अपने कमरे में आकर अपने भविष्य के सुंदर सपने बुनती हुई नींद के आगोश में चली गयी।

समय अपनी गति से चलता रहा और वंदना अपने काम की दुनिया में मस्त हो गई। उसकी मेहनत को देखते हुए कंपनी ने उसे सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नियुक्त कर दिया और तब उसकी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर यानि मालिक घोष के बेटे मिलिंद की नजर वंदना पर पड़ी और वह उसकी सूरत और सीरत का कायल हो गया, यानि उसे वंदना से प्रेम हो गया। वह किसी न किसी बहाने वंदना को अपने कैबिन में बुलाता और उसकी तारीफ करता लेकिन वंदना तो अपने काम की बात करना ही पसंद करती लेकिन बड़े बाप के जिद्दी बेटे ने यह तय कर लिया था कि अगर वह ब्याह करेगा तो वंदना से ही करेगा।

मिलिंद ने अपने पापा से इस बारे में बात की तो घोष साहब खुश हो गए क्योंकि उन्हे वंदना हर तरह से बहुत पसंद थी। घोष साहब ने वंदना को बुला कर उससे भी सलाह ली तो उसने शर्माते हुए अपने पापा, अनिल शर्मा का नंबर दे दिया। अगले ही दिन घोष साहब और मिलिंद वंदना के घर में आमंत्रित थे।

'आईए आईए घोष साहब आपका स्वागत है हमारे गरीबखाने में' – शर्मा जी ने मेहमानों का बाहें खोल कर स्वागत किया और अपनी पत्नी को आवाज लगाई। घोष साहब और मिलिंद ड्रॉइंग रूम में बैठे ही थे कि वंदना भी पानी लेकर कमरे में आ गयी।

'बेटा इधर आओ और मेरे पास बैठो' - घोष साहब ने लाड़ से वंदना को अपने पास बिठाया और बोले 'प्रोफेसर साहब बहुत प्यारी और मेहनती बिटिया है आपकी, अगर आपको मंजूर हो तो मैं इसे अपनी बिटिया बनाना चाहता हूँ'।

'क्यों नहीं, यह तो आपकी बहुत तारीफ करती है कि आपने इसका करियर बनाने में बहुत मदद की है, अगर दोनों बच्चों को मंजूर है तो मुझे इस रिश्ते में कोई आपति नहीं'।

'बहुत बढ़िया बात कही आपने, मिलिंद बेटा आप और वंदना बिटिया अंदर कमरे में जाकर बातचीत कर लो और अपनी सहमति बताओ ताकि हम लोग भी निश्चिंत होकर विवाह की तारीख निश्चित कर सकें'– घोष साहब ने दोनों बच्चों को देखते हुए अपनी बात रखी।

'हाँ-हाँ वंदना, मिलिंद को अपना कमरा दिखाओ और आराम से बैठकर बातचीत करो' – वंदना की माँ ने घोष साहब को चाय का प्याला थमाते हुए कहा तो वंदना मिलिंद को अपना कमरा दिखाने के लिए उठ खड़ी हुई।

इधर घोष साहब, शर्मा जी से गुफ्तगू में लग गए और उधर उनकी पत्नी डिनर की तैयारी में लग गई। वंदना का सुसज्जित कमरा देखकर मिलिंद बहुत प्रभावित हुआ और तारीफ़ के पुल बांधने लगा- 'अरे वाह, वंदना बहुत सुंदर सजा रखा है तुमने अपना कमरा, मैं तो पूरी तरह से तुम्हारा दीवाना हो गया हूँ, लगता है तुम्हें खाना बनाने में भी निपुणता हासिल होगी, अरे मैं ही बोले जा रहा हूँ, तुम भी तो कुछ बोलो'।

'मिलिंद पहले बैठ तो जाओ फिर बताती हूँ कि कमरा तो मैं सजा कर रखती हूँ, लेकिन खाना बनाने का समय कहाँ मिलता है मुझे। वह तो मैं माँ की थोड़ी बहुत मदद करा देती हूँ और काम वाली बाई भी तो आती है। मिलिंद तुम्हे खाना बनाना आता है क्या'– वंदना ने पूछा तो मिलिंद कुछ भावुक हो गया।

'वंदना जब मैं दो साल का था तभी मेरी माँ मुझे छोड़ कर चली गई, तब से मुझे पापा और दादी ने पाला, फिर दादी भी साथ छोड़ गई और अब मेरी दुनिया में सिर्फ पापा हैं, वैसे तो बाहर मित्रों और घर में नौकरों की कमी नहीं है लेकिन फिर भी माँ की कमी खटकती है और मुझे यकीन है कि उस कमी को तुम ही पूरा कर सकती हो वंदना'।

मिलिंद की बातें सुन कर वंदना भी भावुक हो कर बोली – 'मिलिंद अगर हमारी शादी होती है तो मैं तुम्हारी आकांक्षाओं पर खरी उतरने की पूरी कोशिश करूंगी, लेकिन मिलिंद ताली कभी एक हाथ से नहीं बजती, इसमें तुम्हें भी मेरी पूरी मदद करनी होगी। मिलिंद मैं शादी के बाद भी काम करूंगी और कम्पनी को और भी ऊंचाइयों पर ला कर दिखाऊँगी।

'हाँ वंदना, मैं अपने कहे से कभी पीछे नहीं हटूँगा, तुम बस शादी के लिए हाँ कर दो'।

हँसते हुए मिलिंद और वंदना बाहर बैठक में आए तो सबने ताली बजा कर उनका स्वागत किया। दोनों तरफ से हाँ हो चुकी थी, अब केवल औपचारिक बातें हो रही थी। डिनर की मेज़ सज गई थी, सबने एक साथ बैठकर खाना खाया और फिर खुशी में मुंह मीठा किया।

अगले कुछ दिनों में वंदना के मम्मी-पापा ने पंडित जी से मिलकर शादी की तारीख तय कर ली। वंदना की माँ बहुत खुश थी कि उसकी पुत्री को सुयोग्य वर और अच्छा घर मिल गया लेकिन उसकी चिंता यह थी कि लड़के की माँ नहीं है और वंदना पर घर का पूरा दबाव आ जाएगा, लेकिन पति और बिटिया के समझाने पर वह निश्चिंत हो गई। वंदना बहुत समझदार लड़की थी और विवाह के बाद उसने अपने घर को बहुत अच्छे से संभाल लिया। सुबह जल्दी उठ कर काम वाली की मदद से वह नाश्ता और लंच तैयार करती और फिर पति और ससुर के साथ कंपनी का काम भी कुशलता से संभालती। सब उसकी तारीफ करते नहीं थकते। उसकी काबलियत देख कर घोष साहब जरूरी मामलों में बेटे से ज्यादा बहू पर विश्वास करते और हर मामले में उसकी राय लेते जो मिलिंद को पसंद नहीं आता।

मिलिंद वंदना को नीचा करने का कोई न कोई बहाना ढूँढता जो वंदना को समझ आने लगा था लेकिन वह चुप रहती ताकि उनके दांपत्य जीवन में दरार न आए। उसे बात-बात पर रुलवाना मिलिंद की आदत में शुमार हो गया था।

'मैंने एक लड़की से शादी की थी जो मेरा घर संभाल सके, कंपनी संभालने के लिए मैं हूँ'– मिलिंद वंदना को बात-बात में ताना मारता तो वंदना भी कह पड़ती – 'मिलिंद मैंने भी उतनी ही पढ़ाई की है जितनी तुमने, मैं भी अपनी जिंदगी जीना चाहती हूँ। शादी से पहले तुमने वादा किया था कि हम हर काम मिलकर करेंगे लेकिन दो साल में ही तुम बदल गए हो'।

बात-बात पर प्रताड़ित होती वंदना अपने दिल का गुबार आंसुओं में निकाल लेती लेकिन उस दिन तो मिलिंद ने हद ही पार कर दी, गंगा जैसी निर्मल वंदना पर गलत आक्षेप लगाकर। वंदना और मनोज एक ही प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे और उस मामले में मनोज को वंदना के कैबिन में कई बार जाना पड़ता था जो मिलिंद को बिल्कुल पसंद नहीं था। घोष साहब के कानों में जब यह बात पड़ी तो उन्होंने मिलिंद को बहुत समझाने की कोशिश की लेकिन उसकी बुद्धि को भ्रष्ट करने में उसके कुछ बिगड़ैल दोस्तों का हाथ था। अब तो समझने की जगह वह वंदना को और प्रताड़ित करने लगा और एक दिन मनोज को उसके कैबिन में जाते देख उसने हंगामा शुरू कर दिया।

'साले, बाहर निकल, मेरी बीवी के साथ गुलछर्रे उड़ाता है'।

'मिलिंद क्या कह रहे हो, होश में तो हो तुम'

'बकवास बंद कर' - मिलिंद वंदना का हाथ मरोड़ते हुए चिल्लाया- 'हाँ, होशोहवास में कह रहा हूँ, तुम कोई सती सावित्री नहीं, बदचलन हो, पहले मुझे अपने झाल में फंसाया और अब इसको फंसा रही हो'। यह सुनते ही वंदना को लगा जिसे किसी ने उस पर खौलता पानी डाल दिया हो और वह पूरी तरह झुलस गयी हो। कभी-कभी शारीरिक प्रताड़ना से बड़ी मानसिक प्रताड़ना होती है। सात फेरों के बाद अगर किसी औरत पर उसका पति इतना गलत और गिरा हुआ आक्षेप लगाए तो उसको क्या करना चाहिए। सबका कहना है कि उसको सब्र रखना चाहिए लेकिन वंदना पढ़ी-लिखी एक इज्जतदार घर की लड़की है और वह किसी भी तरह के गलत आक्षेप को स्वीकार नहीं कर सकती।

वंदना अपना सामान लेकर मायके आ गई है। खिड़की पर खड़ी वंदना के मन में उथल-पुथल चल रही है कि वह क्या करे। बाहर ठंडी हवा ने आंधी का रूप ले लिया है और वंदना ने एक अहम फैसला ले लिया है कि वह इस अंदर और बाहर की आंधी को अपने जीवन में घुसने नहीं देगी। उसने खिड़की को बंद कर दिया है और वॉश बेसिन पर आँखों को धो लिया है। अब उसे सब कुछ साफ दिख रहा है, उसने मन ही मन कुछ निश्चय किया है और उसके मम्मी-पापा उसके फैसले में उसके साथ उसकी ढाल बनकर खड़े हैं। बाहर आंधी थम चुकी है। वंदना ने खिड़की खोल दी है और शीतल बयार उसके तन और मन को सहला रही है।

लघु कथा | डॉ. अंजना गर्ग

घर जाग रहे, चोर भाग रहे

कल रात घुमंतु गली में घूम रहा था।
देखा—दो चोर बिजली के खंभे के नीचे उदास बैठे हैं,
जैसे सरकार ने चोरी पर भी जीएसटी लगा दिया हो।
घुमंतु ने पूछा,"क्यों रे भाइयो, आज धंधे पर नहीं गए?"
पहला चोर बोला,"घुमन्तू जी, धंधा ही चौपट हो गया, कहांजाएँ ?
क्यों, क्या हुआ ?ह घुमंतु ने प्रश्न दागा।
रात तीन बजे तक बच्चे मोबाइल के साथ जागते-जागते चौकीदार बन गए हैं।
सुबह चार बजे बुजुर्ग उठकरभगवान को लाइव कॉल लगा देते हैं!
दूसरा चोर आह भरते हुए बोला,"हम चोर हैं,
24 घंटे जागरण नहीं कर सकते!
इन घरों में तो नींद का भी प्रवेश-निषेध है,
चोरी तो दूर की बात है।"
घुमंतु हँस पड़ा—"लगता है भाइयो,
देश से नींद भी भ्रष्टाचार से डर कर भाग गई है।

कविता | भूपसिंह भारती

मां फुले का वंदन

मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन। हाथ जोड़कर नमन करें, नन्हें मुन्ने नंदन।।

सदियों से बंद रहा, शिक्षा का दरवाजा, उसे खोल कहा फुले ने, पढ़ने अंदर आजा,
ना ऊंच नीच कोई, ना कोई है बंधन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

पत्थर गोबर फेंका, जब चली पढ़ाने मां, ना रुकी क्रांति ज्योति, लगी कदम बढ़ाने मां,
फुले की कुर्बानी, कर गई सब को धन धन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

सब पाखंडों को मिटाकर, हर घर में ज्ञान फैलाया, ना अनपढ़ रहे कोई, शिक्षा का दीप जलाया,
मां लगा महकने अब, तेरी मेहनत का चंदन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।।

सत पथ पर चलकर के, फुले का मान करो, बनो एक नेक सारे, सुरक्षित संविधान करो,
कहे 'भारती' जीवन में, ना रहे कोई क्रंदन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।

कविता | सपना

अनकही बातें

कितनी अन्कही बाते हैं जो हम कह नहीं पाते ।
चाह कर भी किसी को बता नहीं पाते ।।

जानते हैं कि कोई ख़ुश न होगा हमारी ख़ुशी में ।
जानते हैं कि कोई दुखी न होगा हमारे दुख में ।।

क्यों भाईचारा नहीं रहा परिवारो में ?
क्यों एहसास नहीं रहा रिश्तों में ??
किस मुकाम पर आ कर खड़े हैं सब ।
जहाँ न सच बोलने वाले हैं न सुनने वाले ।।

जहाँ न सही का साथ देने वाले हैं ।
न वालत का विद्रोह करने वाले हैं ।।
न जाने क्यों टूट गई है हिम्मत ।
न जाने क्यों बिखर गए हैं ख़्वाब ।।

बस एक ज़िम्मेदारी सा लगता है जीवन ।
अनकहा अनसुना अनछुआ ...।।

कथाकार रत्नकुमार सांभरिया की लेखनी से शोषित-वंचित वर्ग के बहुआयामी शोषण, दमन, उत्पीड़न, अत्याचार आदि के मुंह बोलते शब्दचित्र जीवंत होकर कथा-कहानी व नाटकों में ढले हैं। यही कारण है कि हर पाठक को इस जमीनी लेखक के पात्रों की पीर भोगा, देखा व सुना यथार्थ प्रतीत होता है। नई पीढ़ी के नाम संदेश में वे कहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा स्वाध्याय करें तथा छपने की जल्दबाजी नहीं करें। बड़ों से मार्गदर्शन लेते रहें और मौलिक सृजनता पर ज्यादा ध्यान दें।

साक्षात्कार | सत्यवीर नाहड़िया

शोषितों के स्वाभिमान को शब्द देना लेखकीय दायित्व : सांभरिया

साहित्य समाज का दर्पण ही नहीं होता, समाज का दिशाबोधक भी होता है, इसलिए लेखकीय दायित्व स्वाभाविक तौर पर बढ़ जाता है। सामाजिक विसंगतियों तथा विद्रूपताओं को उजागर करते हुए इनका समाधान भी सुझाना हमारा दायित्व है। शोषितों तथा वंचितों के न्याय युद्ध में शामिल होकर उनके स्वाभिमान को रेखांकित करना हर रचनाकार का दायित्व है। यह मानना है कथा साहित्य के क्षेत्र में देश के जाने-माने कथाकार-समालोचक का, जिन्होंने पिछले कई दशकों में निरंतर कथा-साहित्य को नए प्रयोगों के साथ समृद्ध किया है। यही कारण है कि कथा साहित्य के मूल तत्त्वों को अपनी मौलिक प्रयोगधर्मिता तथा अनवरत सृजनशीलता की अनूठी साधना से नयी ऊंचाइयां प्रदान करने वाले देश के चुनींदा रचनाकारों में रेवाड़ी के कथाकार रत्नकुमार सांभरिया का नाम बड़े आदर व सम्मान से लिया जाता है।

हरियाणा साहित्य गौरव सम्मान से अलंकृत इस रचनाकार ने अपनी जन्मभूमि गांव भाड़ावास (रेवाड़ी) को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी लेखनी से गौरवान्वित कराया है। भाड़ावास के इस लाल के जयपुर स्थित आवास पर लिखा 'भाड़ावास हाउस' इनका अपनी जड़ों के प्रति जुड़ाव एवं लगाव के कृतज्ञभाव का प्रदर्शित करता है। देशभर के विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में जहां उनकी रचनाएं शामिल कर पढ़ाई जा रही हैं, वहीं कहानी, लघुकथा, एकांकी, नाटक, आलोचना, अनुवाद आदि उनकी बहुआयामी सृजनधर्मिता पर तीन दर्जन से ज्यादा विद्यार्थी एमफिल व पीएचडी कर शोध कर चुके हैं। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान से बतौर उपनिदेशक (प्रशासन) सेवानिवृत्त होकर अब पूर्ण रूप से साहित्य सृजन में साधनारत हैं। 6 जनवरी, 1956 को रेवाड़ी जिले के ऐतिहासिक गांव भाड़ावास में माता जुगरी देवी तथा पिता सिंहराम के घर जन्मे बालक रत्नकुमार ने आठवीं कथा तक पढ़ाई गांव से, फिर शेष रेवाड़ी के अहीर स्कूल, अहीर कॉलेज, एसपी कॉलेज आदि से पूरी कर राजस्थान में प्राथमिक शिक्षक के तौर पर आदिवासी बच्चों को पढ़ाते हुए अपनी व उनके बचपन की गरीबी पर कहानी लिखकर लेखन की शुरूआत की। विपुल कथा साहित्य के रचयिता सांभरिया ने कहानी एवं लघुकथा के क्षेत्र में देशभर में खास मौलिक पहचान बनाकर हरियाणा, रेवाड़ी तथा भाड़ावास का मान बढ़ाया है। उनकी कहानी 'मैं जीती' पर जहां राजस्थान सरकार का समाज कल्याण विभाग टेलीफिल्म का निर्माण कर चुका है, वहीं उनकी अन्य अनेक कहानियों एवं लघुकथाओं पर रेडियो नाट्य रूपांतर प्रसारित हो चुके हैं। उनकी रचनाधर्मिता का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद उनकी सृजनशीलता के विस्तृत फलक तथा गुणात्मकसृजन का प्रमाण है। डॉ. अंबेडकर एक जीवन का जहां अरबी एवं सिंधी में अनुवाद हो चुका है, वहीं मियांजान की कुकड़ी नामक पंद्रह कहानियों का अरबी-सिंधी में अनुदान हुआ है। नाटक-एकांकी के प्रखर हस्ताक्षर श्री सांभरिया की रचनाओं को देशभर के विश्वविद्यालयों ने अपने पाठ्यक्रमों में शामिल किया है। सरल व सहज व्यक्तित्व के धनी सांभरिया के अपने बचपन की गरीबी के दिन, टपकती छान, नंगे पैर स्कूल जाना, निरंतर आर्थिकी विषमताओं से जूझना, खेतिहर मजदूर पिता का संघर्ष आज भी याद है। यही कारण है कि उनकी कहानियों, नाटकों, लघुकथाओं के पात्र संघर्ष में घुटने नहीं टेकते,प्लायन भी नहीं करते अपितु जमकर-डटकर संघर्ष करते हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

कथा साहित्य के अनूठे साधक कथाकार रत्नकुमार सांभरिया की लिखी कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इनमें हुकम की दुग्गी, काल तथा अन्य कहानियाँ, खेत तथा अन्य कहानियाँ, दलित समाज की कहानियाँ, एयरगन का घोड़ा , बांग तथा अन्य कहानियाँ, प्रतिनिधि लघुकथा शतक, मुंशी प्रेमचंद और दलित साहित्य, उपन्यास साँप व नटनी, डॉ. अंबेडकर : एक प्रेरक जीवन, नाटक-वीमा, उजास, भभूल्ला आदि नाम शामिल हैं।

रत्नकुमार सांभरिया

पुरस्कार व सम्मान

नवज्योति कथा सम्मान (1998), राष्ट्रीय सहारा कथा पुरस्कार (2005), कथादेश अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मान (2007), राजस्थान पत्रिका सृजनात्मक पुरस्कार (2018), हरियाणा साहित्य अकादमी हरियाणा गौरव सम्मान (2014), सुब्रमण्यम भारती सम्मान, केंद्र सरकार (2017) राजस्थान साहित्य अकादमी मीरा सम्मान (2023), बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता एवं साहित्य संरक्षण सम्मान, रेवाड़ी (2025) आदि शामिल हैं।

एक-दूसरे के पूरक हैं साहित्य और स्वाध्याय

विमर्श | डॉ. चंद्र त्रिखा

हरियाणा की पावन धरती भारतीय साहित्य के इतिहास में एक अद्वितीय स्थान रखती है, जिसे वेदों की जन्मस्थली होने का गौरव प्राप्त है। महर्षि वेदव्यास द्वारा 'महाभारत' की रचना भी इसी माटी पर हुई, जिसने न केवल भारत अपितु संपूर्ण विश्व को जीवन दर्शन का पाठ पढ़ाया। मध्यकाल में संत साहित्य की अविरल धारा यहाँ प्रवाहित हुई, जिसमें बाबा फरीद की सूफी वाणी और संत निश्चल दास के दार्शनिक चिंतन ने समाज को वैचारिक स्पष्टता प्रदान की। हरियाणा का साहित्य केवल पन्नों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यहाँ की लोक विधा 'सांग' और रागिनियों के माध्यम से यह सामान्य जनमानस के कंठहार का हिस्सा बना। पंडित लखमीचंद जैसे कवियों ने लोक-साहित्य को जो ऊँचाई दी, उसने हरियाणा की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक पटल पर मजबूती से स्थापित किया। समकालीन परिदृश्य में हरियाणा का साहित्य बहुआयामी और प्रगतिशील है। खड़ी बोली के विकास में बालमुकुंद गुप्त जैसे दिग्गजों का योगदान अविस्मरणीय है, जिन्होंने अपनी लेखनी से राष्ट्रीय चेतना को जगाया। वर्तमान समय में हरियाणा के रचनाकार कविता, कहानी और उपन्यास के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों, नारी विमर्श और किसान जीवन की चुनौतियों को मुखरता से अभिव्यक्त कर रहे हैं। राज्य की हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी और अनेक साहित्यिक संस्थाएं इस दिशा में अपने प्रयास कर रही है, जिससे नए लेखकों को मंच और प्रोत्साहन मिल रहा है। प्रत्येक वर्ष 500 से 600 साहित्यिक पुस्तकें प्रकाशित हो रही हैं। लेकिन एक विडंबना अब हमारे सामने आ रही है कि मुख्यधारा के विमर्श में हरियाणा में साहित्य के नाम पर कविताएँ ही अधिकाँश रूप से लिखी जा रही हैं और उसमें भी लघु कविता का बोलबाला है। जबकि गद्य में लघुकथा रचना का प्रभाव बढ़ रहा है। ऐसे में उपन्यास, कहानी, आलेख और काव्य खंड की स्थिति विचारणीय हो गई है। वर्तमान में साहित्य निहित गंभीर दार्शनिकता और मानवीय संवेदनाएं दुर्लभ सी हो रही हैं। आप ध्यानपूर्वक देखेंगे तो पायेंगे कि आज की युवा पीढ़ी में हमारे पास केवल कुछ चुनींदा लेखक ही हैं। जहां पूरी दुनिया के विभिन्न क्षेत्र युवा हाथों में सुरक्षित दिखाई देते हैं वहीं साहित्य की जिम्मेदारी का भार अभी भी वरिष्ठ साहित्यकारों के कन्धों पर होना चिंतनीय है। आज साहित्यकार जो लिख रहे हैं, वह भी अपेक्षित अध्ययन के बाद नहीं लिखा जा रहा है। साहित्य की इस समृद्ध विरासत को अक्षुण्ण रखने और इसे नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए 'स्वाध्याय' की आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक अनिवार्य हो गई है। स्वाध्याय ही वह प्रक्रिया है जो किसी भी समाज की बौद्धिक उर्वरता को जीवित रखती है। आज के डिजिटल युग में, जहाँ सूचनाओं का अंबार तो है किंतु ज्ञान की गहराई कम होती जा रही है, वहाँ पठन-पाठन की संस्कृति का ह्रास होना चिंताजनक है। स्वाध्याय केवल सूचना जुटाने का साधन नहीं है, बल्कि यह वह माध्यम है जिसके द्वारा युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ पाती है। जब तक हम अपने पुरखों द्वारा रचे गए महान ग्रंथों और समकालीन रचनाओं का गहरा अध्ययन नहीं करेंगे, तब तक हम अपनी भाषा और संस्कृति की रक्षा करने में सक्षम नहीं हो पाएंगे। साहित्यिक स्वाध्याय व्यक्ति की आलोचनात्मक सोच को विकसित करता है, जिससे वह समाज में व्याप्त भ्रांतियों और सतही विमर्शों के बीच सत्य को पहचानने की दृष्टि प्राप्त करता है। स्वाध्याय की कमी के कारण ही आज स्तरीय साहित्य की जगह सतही सामग्री ले रही है। अतः, यह आवश्यक है कि हम पुस्तकों के साथ अपना नाता फिर से जोड़ें और पुस्तकालयों को अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाएं। साहित्य और स्वाध्याय एक-दूसरे के पूरक हैं। हरियाणा की साहित्यिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए पठन की एक नई लहर की आवश्यकता है। स्वाध्याय से परिष्कृत समाज ही अपनी भाषा को मान दिला सकता है और साहित्य के माध्यम से राष्ट्र के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दे सकता है।

स्वाध्याय ही वह प्रक्रिया है जो किसी भी समाज की बौद्धिक उर्वरता को जीवित रखती है। आज के डिजिटल युग में, जहाँ सूचनाओं का अंबार तो है किंतु ज्ञान की गहराई कम होती जा रही है, वहाँ पठन-पाठन की संस्कृति का ह्रास होना चिंताजनक है। स्वाध्याय केवल सूचना जुटाने का साधन नहीं है, बल्कि यह वह माध्यम है जिसके द्वारा युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ पाती है।

खबर संक्षेप

पचरंगा ध्वज के साथ निकाली भव्य शोभा यात्रा

कैथल। स्वामी कृष्णानंद जी के पावन मार्गदर्शन में जगतगुरु स्वामी ब्रह्मानंद आश्रम, मुंदड़ी द्वारा पचरंगा ध्वज के साथ एक भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस पावन अवसर पर विधानसभा पुंडरी के विधायक सतपाल जांबा भी उपस्थित रहे और श्रद्धालुओं के साथ शोभा यात्रा में सहभागिता कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

आधार कार्ड को अपडेट करवाना आवश्यकः डीसी

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार कार्ड को मुफ्त में अपडेट करने की तारीख को बढ़ाकर 14 जून 2026 कर दिया है। यह मुफ्त सेवा केवल माय आधार पोर्टल पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए नागरिकों को अपना डेमोग्राफिक डाटा, पता, डेट ऑफ बर्थ, मोबाइल नंबर आदि की जरूरत पड़ेगी। आधार अपडेट के लिए नामए जन्मतिथि, रिहायशी प्रमाण पत्र या अन्य निर्धारित पहचान पत्र ऑनलाइन अपलोड करना होगा। डेडलाइन खत्म होने के बाद आधार अपडेट के लिए शुल्क देना होगा। ऑनलाइन अपडेट की सुविधा सिर्फ उन्ही लोगों के लिए है, जिनका मोबाइल नंबर उनके आधार से लिंक है।

यातायात नियमों का पालन करें जिलावासी

कैथल। डीसी अपराजिता ने धुन्ध के दृष्टिगत सभी जिला वासियों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, ताकि सड़क पर कोई भी दुर्घटना नहीं हो। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा समिति से संबंधित अधिकारी सड़क सुरक्षा नियमों की पालना करवाने के साथ-साथ मुख्य सुविधाएं प्रदान करना भी सुनिश्चित करें।

डीसी अपराजिता ने कहा कि स्कूलों, कालेजों के साथ-साथ आम लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें।

सट्टा खाईवाल करते दो काबू, साढ़े दस हजार बरामद

जींद। सीआईए स्टाफ ने रामराये गेट पर दो युवकों को सट्टा खाईवाल करते काबू कर उनके कब्जे से लगभग साढ़े दस हजार रुपये की नगदी तथा सट्टा पर्ची बरामद की है। शहर थाना पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। सीआईए स्टाफ को सूचना मिली थी कि रामराये गेट पर दो युवक सट्टा खाईवाल का कार्य कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर दोनों युवकों को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से दस हजार 320 रुपये की नगदी तथा सट्टा पर्ची बरामद हुई। पुलिस पूछताछ में पकड़े गए युवकों की पहचान रामराये गेट निवासी सुशील तथा सौरभ के रूप में हुई। शहर थाना पुलिस ने दोनों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नया बिल मनरेगा की मूल भावना को खत्म कर रहा : जिलाध्यक्ष

मनरेगा का नाम बदलने के विरोध में कांग्रेसियों ने किया रोष प्रदर्शन

यह सिर्फ नाम का बदलाव नही बल्कि महात्मा गांधी की विरासत और ग्रामीण मजदूरों के अधिकारों पर हमला : रिषिपाल हैबतपुर

जींद । पुराना बस अड्डा के निकट प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता। व सरकार का पुतला फूंकते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

भाजपा सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के नाम परिवर्तन व योजना को कमजोर करने के रोष स्वरूप कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को सरकार का पुतला फूंका। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस कार्यकर्ता कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रिषिपाल हैबतपुर के नेतृत्व में पुराना बस अड्डा के निकट एकत्रित हुए और पुतला दहन किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार गरीबों का हक छीनने का काम कर रही है। हर आदमी को काम और काम के बदले पूरा दाम यही कांग्रेस पार्टी की सोच रही है। कांग्रेस जब भी सत्ता में रही है तो मनरेगा को सभी दलों से लागू कर कानून बनाया था। सौ दिन के रोजगार की योजना गीरब के हक में बनाई थी। आज जो भाजपा सरकार इसका नाम बदल रहे हैं और जो महात्मा गांधी की तस्वीर हटाई है, उसकी कांग्रेस पार्टी निंदा करती है। गरीबों का जो हक छीना जा रहा है। इसके विरोध में प्रदर्शन किया है।

गरीब का हक मारने का काम भाजपा कर रही है लेकिन कांग्रेस सरकार ऐसा नही करने देगी। इसी विरोध में कार्यकर्ताओं ने मोदी का पुतला फूंका है।

मनरेगा से घरेलू आय में लगभग 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई और गरीबी में लगभग 26 प्रतिशत की कमी आई। इस योजना ने मजदूर के हाथ में क्रय शक्ति देने का काम किया और गैर कृषि रोजगार का सृजन किया। कमाल की बात रही कि मनरेगा में आधे से ज्यादा काम महिलाओं को मिले। यही नही कोविड के संकट काल में मनरेगा संजीवनी साबित हुआ। ऐसे में सबसे बड़ी जनकल्याणकारी योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाना गोडसे द्वारा 77 साल पहले की गई उनकी हत्या के बाद आज उनकी वैचारिक हत्या नहीं तो और क्या है। कांग्रेस जिला प्रधान रिषिपाल ने कहा कि मनरेगा में 100 दिन के काम की गारंटी थी लेकिन 2018-19 में मोदी सरकार ने औसतन सिर्फ 51 दिन का काम दिया था जो 2024-25 में घट कर मात्र 42 दिन का रह गया। जो सरकार 100 दिन का काम नहीं दे पा रही वो 125 दिन के काम देने के खोखले दावे कर रही है। इस बार एक ऐसे कानून के साथ खिलवाड़ किया गया है, जो आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन का आधार बना। मोदी गरीब मजदूरों को दी गई उस मजबूत गारंटी को खत्म कर रहे हैं। जिसकी शुरुआत सर्वदलीय स्वीकृति से हुई थी।

ग्रामीण मजदूरों के अधिकारों पर बताया हमला

कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रिषिपाल हैबतपुर ने कहा कि यह सिर्फ नाम का बदलाव नही बल्कि महात्मा गांधी की विरासत और ग्रामीण मजदूरों के अधिकारों पर हमला है। मोदी सरकार ने योजना से गांधी जी का नाम हटा कर उनकी विचारधारा को कमजोर करने की कोशिश की है। साथ ही केंद्र, राज्य फंडिंग में बदलाव से राज्यों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। जिससे योजना प्रभावी ढंग से नहीं चल पाएगी। कांग्रेस का आरोप है कि नया बिल मनरेगा की मूल भावना को खत्म कर रहा है। जिसमें 100 दिनों की रोजगार गारंटी को बढ़ाकर 125 दिन किया गया है लेकिन यह अब अधिकार आधारित नहीं रहेगी।

ये रहे मौजूद

इस मौके प्रदेश प्रवक्ता जगबीर ढिगाना, पूर्व चेयरमैन पवन दूहन, वजीर गंगोली, पूजा ठाकुर, संजय जागलान, रामकुमार धानक, धर्मपाल प्रधान, राज रानी, राजकुमार वाल्मीकि, राजकपूर पातलान, सारंग, ईशाक खान भट्टी, जेपी रूहील, तिलराज मिगलानी, अमित प्रधान, धर्मेंद्र प्रधान सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

स्वास्थ्य कर्मचारियों ने की किराया भत्ता देने की मांग

जींद । बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन ने सिविल सर्जन को पत्र लिखकर जिला के सभी उप स्वास्थ्य केंद्र पर कार्यरत महिला एवं पुरूष बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारियों को मकान किराया भत्ता दिलवाने की मांग की है। जिला सचिव गुरनाम सिंह ने बताया कि जिला मे जो जिन उप स्वास्थ्य केंद्र के भवन नए बन रहे हैं, उन सभी उप स्वास्थ्य केंद्र पर कार्यरत महिला एवं पुरूष एमपीएचडबलू को सरकार के नियमानुसार मकान किराया भत्ता मिल रहा है। परंतु जिन उप स्वास्थ्य केंद्र के भवन पुराने समय के बने हुए हैं, उनमे कार्यरत महिला एवं पुरूष एमपीएचडबलू को मकान किराया भत्ता नही दिया जा रहा है। सरकार व विभाग की इस लापरवाही से काफी स्वास्थ्य कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। उन्होंने बताया कि जब स्वास्थ्य विभाग हरियाणा सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र मे बनने वाले नये उप स्वास्थ्य केंद्र के भवनों में कर्मचारियों के लिए आवास व्यवस्था करना बंद कर दिया तो वहां पर कार्यरत महिला एवं पुरूष बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारियों को मकान किराया भत्ता भी दिया जाए। इस संबंध मे सिविल सर्जन डा. सुमन कोहली सहित सभी उच्च अधिकारियों से मिलकर मकान किराया भत्ता दिलवाने की मांग करेंगे और फिर भी समाधान नही किया गया तो सिविल सर्जन कार्यालय पर धरना व रोष प्रदर्शन करेंगें।

मांग को लेकर नारेबाजी करते मनरेगा मजदूर

कैथल। नारेबाजी करते मजदूर फोटोः हरिभूमि

कैथल। गांव रोहेड़ा के मनरेगा मजदूरों ने इकट्ठे होकर एक सभा की और सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर नए कानून जी राम जी की प्रतियां फूंकी और विरोध किया। उन्होंने मांग की नए कानून, जीरामजी, को रद्द करो और पुराने कानून नरेगा को शक्ति के साथ बहाल करो। कलसो देवी, कमला देवी, करिश्मा, राजपति, नीलम देवी, अंग्रेजों, लक्ष्मी, प्यारा राम, सुरेश, रामनिवास, आदि ने बताया हम मनरेगा में काम करने वाले मजदूर हैं लेकिन हमारे गांव रोहेड़ा में पिछले लगभग 1 साल से ज्यादा समय बीत गया एक भी मस्टरोल जारी नहीं किया गया। हमारे पास मनरेगा के अलावा अन्य कोई काम धंधा नहीं है तो इसलिए एक मनरेगा ही परिवार का गुजारा करने का मातृ सहारा है लेकिन सरकार अब इसे जी राम जी नाम देकर कानून को सकीम के रूप में बदल कर मजदूरों के साथ सरेआम धोखा करना चाहती है। इसका हम विरोध करते हैं और सरकार से मांग करते हैं मनरेगा कानून को बहाल करते हुए 200 दिन का काम है 800 मजदूरी के साथ जो भी इसके मापदंड है वह शक्ति से लागू किये जाए। कार्यस्थल पर छाया, पीने के पानी, दवाई, औजार आदि का प्रबंध करवा करे और मजदूर की इच्छा अनुसार समय पर काम दिया जाए। अगर सरकार हमारे रोजगार रोजी-रोटी के साथ खिलवाड़ करेगी तो आने वाले समय में आंदोलन मजबूत होगा और सरकार को इसका खामियाजा उठना पड़ेगा।

आमजन कूड़ा डस्टबिन में ही डालें : सेव

जींद। स्वच्छता अभियान चलाए हुए सेव संस्था सदस्य। *फोटोः हरिभूमि*

जींद। सामाजिक संस्था सोसाइटी फोर एडवांसमेंट ऑफ विलेज एंड अर्बन इंवायरमेंट (सेव) ने पटियाला चौक आसपास एरिया में स्वच्छता अभियान और जागरूकता अभियान चलाया। सेव संस्था द्वारा चलाए गए 448वां अभियान संस्था के प्रधान नरेंद्र नाडा की अध्यक्षता में स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत चलाया गया। रोड पर पड़े कूड़े व कचरे को उठाते हुए संस्था सदस्यों ने स्वच्छता का महत्व समझाया। लोगों को कूड़ा डस्टबिन में डालने का आह्वान किया। सदस्यों ने कहा कि हम सभी ने कूड़ा डस्टबिन में ही डालने की आदत होनी चाहिए। हम यह मान लेते हैं कि यहां पहले से कूड़ा डाला हुआ है तो हम भी वहीं पर कूड़ा डाल देते हैं। यदि हम वहीं कूड़ा डालते रहे तो स्वच्छता कैसे आएगी। कूड़ा वहां बढ़ता रहेगा। इसीलिए हर आदमी ने कूड़ा केवल मात्र डस्टबिन में ही डालना चाहिए। डस्टबिन का प्रयोग करने से ही स्वच्छता रह सकती है। कूड़ा डस्टबिन में डाल कर रखना चाहिए और वह डस्टबिन नगर परिषद की गाड़ी को देना चाहिए। हम सबके प्रयास से हर गांव, गली, शहर, मोहल्ला हमारा देश स्वच्छ और सुंदर बन सकता है। इस मौके पर रोहताश गुप्ता, अशोक कुमार, जोधाराम, बलजीत रेढू, महेश सैनी नंबरदार, बलबीर ईगराह, संजय सैनी, अनिल नागपाल आदि अन्य सदस्य मौजूद रहे।

जाट शाइनिंग स्टार पब्लिक स्कूल में आनंदमय गणित पर आंतरिक कार्यशाला में दिए सुझाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। आंतरिक कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञ व जाट संस्था के पदाधिकारी फोटो : हरिभूमि

जाट शाइनिंग स्टार पब्लिक स्कूल में शिक्षकों के लिए एक अनूठी आंतरिक कार्यशाला का शानदार आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का विषय था /"आनंदमय गणित के साथ सभी विषयों में समग्र शिक्षाशास्त्र, विशेष रूप से गणितीय शिक्षण पर बल/"। यह इन-हाउस सीबीपी (क्षमता निर्माण कार्यक्रम) शिक्षकों को गणित जैसे जटिल विषय को खेल-खेल में सिखाने की कला से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित की गई, ताकि छात्रों के मन में गणित का भय समाप्त होकर आनंद का स्थान ले ले। विद्यालय का यह प्रयास नई शिक्षा नीति के अनुरूप छात्रों में रचनात्मकता और जिज्ञासा जगाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ।कार्यक्रम की शुरुआत ज्ञान की देवी मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसमें विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य उत्साहपूर्वक शामिल हुए। इस आकर्षक कार्यशाला का संचालन डॉक्टर गौरव गर्ग पीजीटी मैथमेटिक्स (इस्माइलाबाद) और भूषण पीजीटी पॉलीटिकल साइंस (अंबाला) ने किया। इन दोनों रिसोर्स पर्सन ने समस्त स्टाफ को प्रशिक्षित किया।

शिक्षा की महत्ता को बताया

जाट हाई स्कूल समिति के प्रधान श्री राजकुमार बेनीवाल ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा, "हमारा संस्थान हमेशा से शिक्षा के नवीन आयामों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

शिक्षकों के लिए लाभप्रद

विद्यालय के प्रधानाचार्य मिस्टर पंकज गुप्ता ने कहा, "डॉक्टर गौरव गर्ग और भूषण के अमूल्य मार्गदर्शन में यह कार्यशाला हमारे शिक्षकों के लिए ज्ञान का खजाना साबित हुई।

ये रहे मौजूद

कार्यशाला में बलजिंदर बनवाला, रश्मि दुल, बलकार नैन, जसवीर, सत्यवान माजरा, राजपाल, सन्नी, स्वतंत्र पाल, दलबीर आदि ने भी शिरकत की।

रिटायर्ड आर्मी हवलदार खुजान सिंह का निधन

जींद । उचाना खंड के गांव घोघडिय़ां निवासी खुजान सिंह फौजी का 84 साल की उम्र में निधन हो गया। खुजान सिंह कई सालों तक भारतीय किसान यूनियन के जिला प्रधान रहे तो इससे पहले वह आर्मी में थे। जिन्होंने साल 1965 और 1971 के युद्ध में भाग लिया और देश के लिए लड़े। सामाजिक संगठनों ने खुजान सिंह के निधन पर शोक जताया है। खुजान सिंह के बेटे जंगजीत बूरा ने बताया कि उनके पिता खुजान सिंह भारतीय सेना की थर्ड जाट रेजीमेंट के सैनिक रहे। उन्होंने 1965 के भारत पाकिस्तान (डोगरई युद्ध) में भाग लिया। इसके बाद 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध में भी सक्रिय भूमिका निभाई।

जोहड़ का पानी ओवरफ्लो होकर पैक्स में घुसा

कैथल। जोहड़ का आवरफलो हुआ पानी। **फोटो : हरिभूमि**

राजौंद। राजौंद के वार्ड नंबर 4 में स्थित पैक्स में जोहड़ का पानी ओवरफ्लो होकर भरने से पैक्स में आने वाले उपभोक्ताओं व कर्मचारियों को बहुत परेशानी झेलनी पड़ रही है। आलम यह है कि साथ लगते जोहड़ का पानी आवरफ्लो होकर पैक्स कार्यालय में घुस गया। पैक्स कार्यालय के एक कमरे की दीवारों में तो दरारें तक आ गई है। बता दें कि यहां पैक्स में किसान खाद बीज आदि लेने के लिए आते हैं उन्हें भी पानी भरने से परेशानी हो रही है। इतना ही नहीं यहां की गली भी पूरी तरह खराब हो चुकी है और यहां पर दो समाज के लोगों की चौपाल भी हैं। जहां अक्सर कोई न कोई कार्यक्रम होता रहता हैं। जिससे इस गली के कारण लोगों को बहुत परेशानी उठानी पड़ रही है। इस बारे वार्ड निवासी विशाल, विनोद, कुशला, श्याम राणा, कंवर पाल राणा ने बताया कि यहां पानी निकासी नहीं है बाबा ऋषि नाथ का मंदिर भी यही है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों लोग माथा टेकने के लिए आते हैं। लेकिन गली में पानी निकासी न होने के कारण उखाड़ी गई गली को लेकर बहुत परेशानी झेलनी पड़ती है। जिससे गली में से खाली निकलना भी मुश्किल हो जाता है। उन्होंने बताया कि इस बारे विभाग को भी अवगत करवाया लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा।

जनता मनरेगा पर किसी भी तरह का हमला बर्दाश्त नहीं करेगी : रामचंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ढांड

केंद्र की मोदी सरकार द्वारा मनरेगा योजना को कमजोर करने और रोजगार के अधिकार को खत्म करने की साजिश के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी कैथल जिलाध्यक्ष रामचंद्र गुर्जर ढांड की अगुवाई में ढांड मंडी कार्यालय के बाहर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारी और मनरेगा मजदूर शामिल हुए। शांतिपूर्ण धरने को संबोधित करते हुए कैथल जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रामचंद्र गुर्जर ढांड ने कहा कि मनरेगा गरीब, मजदूर और ग्रामीण परिवारों की रीढ़ है। भाजपा सरकार जानबूझकर बजट में कटौती कर, काम के दिन घटाकर और मजदूरी भुगतान में देरी कर इस योजना को खत्म करना चाहती है, लेकिन कांग्रेस ऐसा नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता मनरेगा पर किसी भी तरह का हमला बर्दाश्त नहीं करेगी। यह सिर्फ योजना नहीं, बल्कि रोजगार का अधिकार है।

गुरु तेग बहादुर द्वार का उद्घाटन 26 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। बैठक में भाग लेते हुए संस्था सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

आगामी 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के मौके पर गुरु तेग बहादुर द्वार का उद्घाटन विधानसभा के उपाध्यक्ष डा. कृष्ण लाल मिड्ढा करेंगे। तत्पश्चात डीएवी पब्लिक स्कूल जींद में वीर बाल दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिसमें वीर बाल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को और जिन स्कूलों ने इस प्रतियोगिता का आयोजन किया है, उन स्कूलों को सम्मानित किया जाएगा। यह निर्णय बाल शोर्य सम्मान समिति की बैठक में लिया गया। समिति के प्रधान डा. धर्मदेव विद्यार्थी ने बताया कि गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों की शहीदी की याद में आयोजित होने वाले इस समारोह के अवसर पर एक कवि सम्मेलन भी किया जाएगा। जिसमें उच्च कोटि के कवि भाग लेंगे। समिति के महासचिव सरदार गुरजिंदर सिंह के अनुसार जींद में गुरु तेग बहादुर की याद में बनने वाला द्वार हरियाणा का पहला ऐसा द्वार है, जो अपने आप में अनूठा है।

ये रहे मौजूद

समारोह की अध्यक्षता डा. धर्मदेव विद्यार्थी निदेशक हरियाणा साहित्य और संस्कृति अकादमी करेंगे। बैठक में सरदार जोगिंदर सिंह, दिलीप सिंह, शिव कुमार, जगदीश आहूजा, रामप्रकाश ग्रोवर, अरविंद खुराना, रामनारायण आर्य, एसपी भारद्वाज, अनिल ढींगरा, सुरेश कुमार सहित अनेक गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

फिक्की ने किया किसान सुनील कुंडु को सम्मानित

कैथल। फिक्की के पदाधिकारी कैथल के किसान सुनील कुंडु को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

कैथल। फिक्की ने कैथल के किसान सुनील कुंडु को सम्मानित किया है। फिक्की जैसे बड़े मंच पर एक किसान को आमंत्रण मिलना भी गर्व करने लायक होता है। सुरक्षित-जहर-मुक्त कृषि विषय पर व्ययखान देने हेतु विगत दिनों किसान सुनील कुंडु का चयन किया गया था। 19 दिसंबर को सम्मानित करने हेतु बुलाया गया था। गर्व करने का विषय ये भी है कि दर्जन भर प्रतिभागियों मे से हरियाणा और कैथल जिले से केवल सुनील कुंडु को चुना गया। इस कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक ईश्वर सिंह कुंडु के पुत्र सुनील कुंडु ने इस बड़े मंच से किसानों के सामने के समक्ष आ रही विमभिन्न समस्याओं पर विस्तार से अपने विचार प्रकट किये बताया कि कैसे छोटे से गॉव के एक साधारण किसान ने कई खोज की व साबित किया सिर्फ स्कूली पढ़ाई,कम साधनों ,दिक्कतों का सामना करते हुए एक किसान ने विश्व पटल पर खुद को साबित किया। फार्मर अवेयरनेस प्रोग्राम, इन्नोवेटिव फार्मर् श्री सुनील कुंडू का महत्वपूर्ण योगदान/" शीर्षक से सम्बोधन किया व अपने पिता ईश्वर कुंडु व सुनील और सुशील दोनों भाइयों द्वारा किस तरह उनके विचारों ,खोजों को आगे बढ़ाया ,कृषि क्षेत्र में कि गई नई खोजों बारे विस्तार से बताया। कृषि क्षेत्र के नवाचार पर चर्चा सुनील कुंडू कि कैसे किसान कम खर्च से भी अधिक पैदावार ले सकता है,कैसे भूमि वातावरण को जहरीले रसायनों से मुक्त किया जा सकता है और आम जन को शुद्ध भोजन उपलब्ध होना संभव ,सब विस्तार से जानकारी दी। फिक्की का पदाधिकारियों ने सुनील कुंडु का प्रमाणपत्र पत्र देकर सम्मानित किया।

निर्देश का पालन | **डिप्टी स्पीकर ने निरीक्षण के दौरान जताई आपत्ति, दीवार ऊंची होने के कारण नहीं दिख पा रहा था अस्पताल**

नागरिक अस्पताल की चारदीवारी की ऊंचाई हुई कम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। नागरिक अस्पताल की चाहरदीवारी की ऊंचाई को कम करने में लगे मजदूर।

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल की चारदीवारी (बाउंड्री वॉल) की ऊंचाई कम करने का काम शुरू हो गया है। यह कदम अस्पताल को अधिक सुलभ और दृश्यमान बनाने के लिए उठाया गया है। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने गत आठ दिसंबर को अस्पताल का निरीक्षण किया था तो इस दौरान उन्होंने दीवार की अधिक ऊंचाई पर नाराजगी जताई थी। डा. मिड्ढा का कहना था कि ऊंची दीवार के कारण अस्पताल दूर से दिखाई नहीं देगा। जिससे मरीजों और आने-जाने वालों को पहचानने में परेशानी होगी। उन्होंने निर्देश दिए थे कि दीवार की ऊंचाई कम की जाए ताकि अस्पताल गोहाना रोड से दोनों तरफ से स्पष्ट दिखाई दे। स्वास्थ्य प्रशासन ने इस दिशा में ठोस कदम उठाते हुए दीवार की ऊंचाई कम करवा दी है। अब चाहरदीवारी की ऊंचाई कम होने के बाद अस्पताल गोहाना रोड पर दोनों दिशाओं से आसानी से दिखने लगा है।

नागरिक अस्पताल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी डा. रघुवीर पूनिया ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने दीवार की ऊंचाई कम करने के लिए कहा था। अब गोहाना रोड से गुजरने वाले लोग अस्पताल को आसानी से देख पा रहे हैं। यह बदलाव अस्पताल की दृश्यता बढ़ाने के साथ-साथ सुरक्षा मानकों को भी ध्यान में रखते हुए किया गया है।

डिप्टी स्पीकर ने निरीक्षण के दौरान दीवार की ऊंचाई कम करने के दिए थे निर्देश

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने गत आठ दिसंबर को अस्पताल का निरीक्षण किया तो उस दौरान दीवार की ऊंचाई को लेकर नाराजगी व्यक्त की थी। उन्होंने कहा था कि अस्पताल जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधा को ऐसी बनाना चाहिए जो दूर से ही दिखाई दे। ऊंची दीवार के कारण अस्पताल का भवन छिपा रहता था, जिससे मरीजों और परिजनों को आने में असुविधा होती थी। ऐसे में दीवार की ऊंचाई को लगभग पांच या 6 फीट ऊंची कर लोहे की ग्रिल या तारें लगवा दी जाएं ताकि असामाजिक तत्वों से अस्पताल सुरक्षित रहे और गोहाना रोड से गुजरने वाले लोगों को अस्पताल दूर से नजर भी जाए। स्वास्थ्य विभाग ने तुरंत प्रभाव से संबंधित ठेकेदार को दीवार की ऊंचाई कम करने के लिए कहा। अब अस्पताल की चाहरदीवारी की ऊंचाई कम करने का कार्य तेजी से शुरू हो गया है। जिसके फलस्वरूप अब गोहाना रोड पर अस्पताल दोनों तरफ से स्पष्ट दिखाई देने लगा है। इससे न केवल अस्पताल की पहुंच आसान हुई है। बल्कि आमजन को भी सुविधा मिली है।

अस्पताल का 14.91 करोड़ से हो रहा है जीर्णोद्धार

नागरिक अस्पताल की जर्जर हो चुकी बिल्डिंग का 14.91 करोड़ की लागत से जीर्णोद्धार कार्य करवाया जा रहा है। इस कार्य के तहत अस्पताल में मुख्य गेट से लेकर गोहाना रोड के दूसरी तरफ तक की चाहरदीवारी भी शामिल है। लोक निर्माण विभाग की तरफ से यह चहारदीवारी बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए ठेकेदार ने काम शुरू किया तो दीवार की ऊंचाई 12 फुट तक बढा दी। जिसके चलते अस्पताल किसी को नजर नही आ रहा था। जिस पर लोगों ने नाराजगी भी जताई थी।

खबर संक्षेप

निः शुल्क मां बनभौरी धाम यात्रा संपन्न

नरवाना। भगवती क्लब द्वारा आयोजित 38वीं निशुल्क बनभौरी धाम यात्रा आज रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह यात्रा प्रातः महाराजा अग्रसेन चौक से रवाना हुई। बस सवारी पूरी तरह श्रद्धालुओं से भरी हुई थी। यात्रा के दौरान बस में भजन.कीर्तन के साथ.साथ भजनों पर नाच.गाना भी हुआए जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बन गया। इस अवसर पर प्रधान अनूप गोयलएराकेश गर्ग एभारत गर्गए राधेश्याम गर्ग एवं वरुण गुप्ता द्वारा संयुक्त रूप से झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

स्कूल के वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

कैथल। शेमराक सीनियर सेकेंडरी स्कूल का वार्षिक उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। कर्नल अशोक कुमार शर्मा कार्यक्रम में मुख्यातिथि रहे। अध्यक्षता जिला सूचना एवं लोक संपर्क अधिकारी नसीब सैनी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में कुरुक्षेत्रा पब्लिक स्कूल भागल की प्रधानाचार्या कमलेश नैन मौजूद रही। स्कूल प्रिसिंपल नीलम मोदगिल ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया।

जनता को गुमराह कर रही कांग्रेसः डॉ. मैहला

पूंडरी। भाजपा किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष डॉ. बलविंद्र मैहला संगरौली ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वोट चोरी जैसे बेबुनियाद आरोप लगाकर कांग्रेस घटिया राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से जनता के असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की साजिश है। उन्होंने कहा कि जब-जब कांग्रेस को चुनावों में हार का सामना करना पड़ता है, तब-तब वह अपनी नाकामी छिपाने के लिए इस तरह के निराधार आरोप लगाती है। हार का ठीकरा दूसरों पर फोडऩा कांग्रेस की पुरानी आदत बन चुकी है, जिसे देश की जनता अब अच्छी तरह समझ चुकी है। आज का मतदाता जागरूक है और झूठे आरोपों में आने वाला नहीं है। जनता सच्चाई के साथ खड़ी है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर पूरा भरोसा रखती है।

पोर्टल बंद होने से नहीं मिल पा रहा मजदूरों को लाभ, पोर्टल शुरू करवाया जाए

निर्माण मजदूरों ने डिप्टी स्पीकर प्रतिनिधि को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा हरियाणा के आह्वान पर निर्माण मजदूरों की समस्याओं व मांगों को लेकर रविवार को डिप्टी स्पीकर को संबोधित ज्ञापन उनके प्रतिनिधि राजन चिल्लाना को सौंपा गया। जिसमें निर्माण मजदूरों की विभिन्न समस्याओं को विधानसभा में उठाने और उनका समाधान करवाने की मांग की गई है। मोर्चा ने चेतावनी दी कि यदि इन मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आगामी 17-18 जनवरी को जींद, कैथल, करनाल एवं पानीपत जिलों के निर्माण मजदूर डिप्टी स्पीकर आवास पर दिन-रात का पड़ाव डालेंगे।

ज्ञापन सौंपने के दौरान संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा के संदीप जाजवान, जोगिंद्र ईगराह ने बताया कि वर्ष 2005 में हरियाणा में निर्माण मजदूरों के लिए कल्याण बोर्ड का गठन किया गया था। जिसे 2018 में ऑनलाइन कर दिया गया। इस बोर्ड से मजदूरों को विभिन्न लाभ मिलते थे लेकिन पिछले 6 महीनों से बोर्ड का पोर्टल बंद कर दिया गया है। जिससे मजदूरों को कोई लाभ नही मिल पा रहा है। इसी तरह पिछले लगभग पांच महीनों से मनरेगा के काम पर अघोषित पाबंदी लगा दी गई है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के मजदूर बेरोजगार हो गए हैं। उन्होंने मांग की कि बोर्ड की साइट खोली जाए व रुके हुए लाभों का भुगतान हो। निर्माण मजदूर कल्याण बोर्ड के पोर्टल को पिछले छह महीनों से 90 दिन की वैरीफिकेशन में भ्रष्टाचार का हवाला देकर बंद किया गया है। मपोर्टल को तुरंत खोला जाए और रुके लाभों का भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

मनरेगा का काम सभी गांवों में तुरंत शुरू किया जाए। 200 दिन काम व वेतन 800 रुपये दैनिक हो। रोजगार के दिनों को 200 तक बढ़ाया जाए और दैनिक वेतन 800 रुपये किया जाए। बाढ़ के चलते प्रभावित परिवारों को जिनके मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। क्षतिग्रस्त मकानों के लिए तत्काल आर्थिक मदद दी जाए ताकि वे अपना जीवन पटरी पर ला सकें। निर्माण मजदूरों की 90 दिन की वेरिफिकेशन का अधिकार यूनियनों को दिया जाए। न्यूनतम वेतन 26 हजार मासिक किया जाए। महंगाई को ध्यान में रखते हुए हर पांच वर्ष में वेतन संशोधन किया जाए और न्यूनतम वेतन कम से कम 26 हजार रुपये मासिक किया जाए। लेबर कोड रद्द किए जाएं। 29 लेबर कानूनों की जगह चार नए लेबर कोड लाए गए हैं, जो मजदूरों के अधिकारों पर सीधा हमला हैं। इन कोडों को रद्द किया जाए। बोर्ड में भ्रष्टाचार फैलाने वालों पर कार्रवाई की जाए। प्रवासी मजदूरों के पंजीकरण के लिए फैमिली आईडी की शर्त खत्म की जाए।

जींद। मांगों को लेकर राजन को ज्ञापन सौंपते हुए मजदूर नेता। *फोटो : हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

सतीश कुमार, कश्मीर सिंह, रवि बड़ोदा, पवन कुमार, सरोज जुलाना, प्रदीप जुलाना, कश्मीर इगराह आदि मौजूद रहे।

संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा हरियाणा ने मांगों को लेकर सौंपा विधायक को ज्ञापन

उचाना। संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा हरियाणा ने उचाना के विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री को ज्ञापन सौंपा है। इसमें निर्माण मजदूरों की विभिन्न समस्याओं को विधानसभा में उठाने और उनके समाधान की मांग की गई है। सतीश बड़ौदा ने कहा कि मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो 17-18 जनवरी 2026 को जींद, कैथल, करनाल और पानीपत जिलों के हजारों निर्माण मजदूर डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिड्ढा के आवास पर दिन-रात का पड़ाव डालेंगे। बड़ौदा ने बताया कि हरियाणा में निर्माण मजदूरों के कल्याण के लिए 2005 में एक बोर्ड का गठन किया गया था, जिसे 2018 में ऑनलाइन कर दिया गया। हालांकि, पिछले छह महीनों से यह पोर्टल बंद है, जिससे मजदूरों को मिलने वाले विभिन्न लाभ रुक गए हैं। मोर्चा ने मांग की है कि बोर्ड की वेबसाइट को तुरंत खोला जाए और रुके हुए सभी लाभों का भुगतान किया जाए। मोर्चा की अन्य मांगों में बाढ़ प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करना, निर्माण मजदूरों की 90 दिन की वेरिफिकेशन का अधिकार यूनियनों को देना शामिल है। उन्होंने बढ़ती महंगाई के मद्देनजर हर पांच साल में वेतन संशोधन कर न्यूनतम मासिक वेतन 26 हजार रुपये करने की भी मांग की। 29 श्रम कानूनों की जगह लाए गए चार नए लेबर कोड को मजदूरों के अधिकारों पर सीधा हमला बताया। प्रवासी मजदूरों के पंजीकरण में आने वाली बाधाओं को दूर करने और फैमिली आईडी की अनिवार्यता को समाप्त करने की अपील की गई है। इस मौके पर संदीप जाजवान, जोगिंद्र इगराह, कश्मीर सिंह, रवि बड़ोदा, पवन कुमार, सरोज जुलाना, प्रदीप जुलाना और कश्मीर भगवानपुरा मौजूद रहे।

जींद। विधायक को मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

नरवाना। ब्रह्माकुमारीज नरवाना के विश्व मेडिटेशन दिवस कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं।

ब्रह्माकुमारीज ने सैकड़ों को सिखाया मेडिटेशन

नरवाना। विश्व मेडिटेशन दिवस पर ब्रह्मा कुमारीज ने सैकड़ों लोगों को एकसाथ मेडिटेशन सिखाया। 25 गांवों के सैकड़ों लोगों ने छोटू राम पार्क में हुए इस कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि जींद सबजोन की डायरेक्टर बीके विजय दीदीए कार्यक्रम अध्यक्षा नरवाना प्रभारी बीके सीमाए संयोजक बीके ममताए मुख्यवक्ता उचाना प्रभारी बीके सुषमा एवं टोहाना प्रभारी बीके वंदना एवं मंच संचालक रीटा बहनए रेणुए मीनाए पूजा ने दीप प्रज्वलित करके किया। इससे पूर्व अतिथिगण एवं ब्रह्मा कुमारी बहनों ने प्रेम नगर स्थित तिमंजिला नवनिर्मित सेवाकेंद्र भवन का उदघाटन किया।

उचाना। माता भ्रामरी मंदिर प्रांगण में लगाया भंडारा। *फोटोः हरिभूमि*

देवभूमि बनभौरी धाम में लगाया भंडारा

उचाना। जय मां बनभौरी सेवा समिति के गठन को दो वर्ष पूरे होने पर देवभूमि बनभौरी माता भ्रामरी धाम पर विशाल भंडारा लगाया गया। यहां पर महाराजा अग्रसेन मंदिर उचाना मंडी पुजारी अशोक शर्मा के माता के गीतों पर श्रद्धालु खूब झूमे। समिति संरक्षक विकास मखंड ने बताया कि लगातार दो साल से शुक्ल पक्ष के पहले रविवार को उचाना से माता भ्रामरी धाम के लिए मुफ्त बस श्रद्धालुओं के लिए समिति द्वारा भेजी जाती है। समिति द्वारा एक विशाल जागरण का आयोजन भी करवाया जा चुका है। निरंतर जरूरतमंदों की मदद करने के साथ-साथ अन्य सामाजिक कार्यों में समिति पदाधिकारी, सदस्य हिस्सा लेते है। दो साल समिति के पूरे होने पर माता के दर्शन कर मंदिर प्रांगण में विशाल भंडारा लगाया गया। इस मौके पर गौरव प्रधान, विजय, श्याम लाल, अमित जैन, प्रवीण जैन, प्रवीण, सोनिया, कविता, अनिल, अशोक शर्मा, सुभाष, विक्की बंसल मौजूद रहे।

नरवाना। गाय को चारा खिलाते हुए। *फोटोः हरिभूमि*

महोत्सव के रूप में मनाया विधायक का जन्मदिन

नरवाना। कैथल से कांग्रेस विधायक आदित्य सिंह सुरजेवाला का जन्मदिन कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा इस बार समाज सेवा के महोत्सव के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर सुबह सभी परिवारजनों और कार्यकर्ताओं ने विधायक आदित्य सुरजेवाला की दीर्घायु होने की कामना की। इसके बाद मंजीत सिंह सुरजेवालाए जगरूप सुरजेवाला और कांग्रेस कार्यकर्ता गौशाला में गायों को चारा और गुड़ खिलाने पहुचे। आज सुबह से ही सुरजेवाला भवन में आदित्य सुरजेवाला के जन्मदिन की बधाई देने के लिए कार्यकर्ताओं का तांता लगा रहा। हर वर्ष की भांति इस बार भी सुरजेवाला का जन्मदिन समाज सेवा और मानव कल्याण की मिसाल पेश करने में सफल रहा। इस अवसर पर सतबीर दबलैनए कैलाश सिंगलाए पार्षद आशुतोष शर्माए कृषक समाज युवा जिला अध्यक्ष बिंदर फरैणए रामपाल उझाना एमनोज नैनए राजू एमसीए बलराज नैनए सुरेंद्र कान्हाखेड़ाए मुकेश टिंकू गोयलए निखिल गर्गए सचिन कौशिकए रामभेहर कूंडू समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कैथल। पंजाबी वेलफेयर सभा के नवनियुक्त प्रधान सुषम कपूर को बधाई देते अन्य सदस्य।

सुषम कपूर बने पंजाबी वैल्फेयर सभा के नए प्रधान

कैथल। पंजाबी वैल्फेयर सभा ने रविवार को सुषम कपूर को सभा का नया प्रधान नियुक्त किया है। वे आगामी तीन वर्षों तक इस प्रतिष्ठित पद की जिम्मेदारी निभाएंगे। इस निर्णय की औपचारिक घोषणा रविवार को सभा के कार्यालय में आयोजित मीटिंग में पंजाबी समाज की सभी संस्थाओं के चेयरमैन कैलाश भगत द्वारा की गई। इस अवसर पर सभा का माहौल उत्साह, गर्व और सकारात्मक उम्मीदों से भरा रहा। चेयरमैन कैलाश भगत ने जानकारी देते हुए बताया कि सुषम कपूर को प्रधान बनाए जाने का फैसला कोई अचानक लिया गया निर्णय नहीं था, बल्कि वर्ष 2024 में ही इस पर सहमति बन चुकी थी। उस समय तत्कालीन प्रधान सुभाष कथूरिया के कार्यकाल को एक वर्ष के लिए बढ़ाया गया था और यह तय किया गया था कि 21 दिसंबर 2025 से पंजाबी वैल्फेयर सभा की कमान सुषम कपूर संभालेंगे। सुषम कपूर ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों का विषय है।

आमजन को नशा न करने बारे किया जागरूक

कैथल। नशा जागरूकता टीम में शामिल एसआई कर्मबीर, एचसी सुनील कुमार, महिला सिपाही किस्मत व सोनिया, तथा एसपीओ राजपाल, प्रदीप कुमार और जसविंदर की टीम द्वारा सीवन व कैथल में विभिन्न स्थानों पर आमजन को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान पुलिस टीम द्वारा जानकारी दी गई कि नशा एक सामाजिक बुराई है। इसका सेवन किसी भी प्रकार से हितकारी नहीं है। नशा शरीर में रोगों तथा आपराधिक गतिविधियों की जड़ है। नशा का सेवन करने वाला व्यक्ति समाज में अपना मान सम्मान खो देता है।

विपक्ष की राजनीति झूठ, भ्रम और साजिश पर आधारित

■ एसआईआर एक संवैधानिक प्रक्रिया : छाबड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

भाजपा के वरिष्ठ नेता अमरजीत छाबड़ा ने वोट चोरी और एसआईआर को लेकर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आज विपक्ष की पूरी राजनीति झूठ, भ्रम और साजिश के इर्द-गिर्द घूम रही है। जैसे ही चुनाव आयोग ने मतदाता सूची को शुद्ध करने की प्रक्रिया को तेज किया, विपक्षी दल लोकतांत्रिक संस्थाओं को बदनाम करने में जुट गए हैं। कैथल में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि एसआईआर कोई नई या मनमानी व्यवस्था नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही एक संवैधानिक प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य फर्जी, मृत एवं डुप्लीकेट मतदाताओं को हटाकर केवल पात्र नागरिकों को ही मताधिकार दिलाना है।

अमरजीत छाबड़ा ने कहा कि जिन राजनीतिक दलों ने वर्षों तक फर्जी वोटों के सहारे राजनीति की, वही आज वोट चोरी का झूठा आरोप लगा रहे हैं। विपक्ष जानता है कि मतदाता सूची के शुद्ध होते ही उनकी तुष्टिकरण और धोखाधड़ी की राजनीति समाप्त हो जाएगी।

अमरजीत छाबड़ा ने बताया कि कैथल सहित पूरे प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर एसआईआर की वास्तविकता जनता के सामने रखेंगे और विपक्ष के झूठे प्रचार का पर्दाफाश करेंगे।

जीवन कला क्षमता संवर्धन कार्यक्रम में अध्यापकों को पढ़ाया पाठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

राधा कृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कैथल में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 'जीवन कला' विषय पर एक दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या मीनू नरवाल, विद्यालय के प्रबंध निदेशक लाभ सिंह लैलर तथा मुख्य अतिथि एवं संसाधन व्यक्तियों वीना सिंह सांगवान और भूषण कुमार द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर सभी अध्यापकों द्वारा सामूहिक प्रार्थना भी की गई।प्रशिक्षण सत्र के दौरान दोनों संसाधन व्यक्तियों ने शिक्षकों को रोचक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्म-विश्वास, निर्णय क्षमता, समस्या समाधान, सकारात्मक सोच, सहयोग की भावना, भावनात्मक संतुलन तथा प्रभावी संवाद कौशल विकसित करने की विधियों से अवगत कराया। कक्षा शिक्षण में जीवन से जुड़े अनुभवों को जोड़कर सीखने की प्रक्रिया को अधिक व्यावहारिक, रोचक और प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, व्यवहारिक ज्ञान, नैतिक मूल्यों तथा प्रभावी कक्षा प्रबंधन पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम में कैथल जिले के विभिन्न विद्यालयों के साथ-साथ अन्य जिलों से आए अध्यापकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कैथल। वर्कशॉप के दौरानफोटो : हरिभूमि

प्रशिक्षण आवश्यक

प्रधानाचार्या मीनू नरवाल ने अपने संबोधन में कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत प्रत्येक शिक्षक के लिए जीवन कला से संबंधित प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। विद्यालय की ओर से सभी प्रतिभागियों के लिए जलपान की उचित व्यवस्था की गई।

ऐसा कार्य करो, जिससे हमारी वजह से किसी को कष्ट ना हो : अनुराग मुनि

उचाना। 22 पंथ जैन स्थानक उचाना मंडी में संघ प्रमुख योगीराज अरूण चंद्र महाराज के शिष्य अनुराग मुनि, अभिषेक मुनि विराजमान है। प्रसिद्ध कवि चंद्रपाल शर्मा ने संत उनके घर आते है जो सच्चे दिल से बुलाते है गीत के माध्यम से संतों की महिमा का वर्णन किया। रविवार को परिवार मिलन महोत्सव मनाया गया। अनुराग मुनि ने कहा कि विद्यार्थी अपने अपने पाठ्यक्रम को गौर से ध्यान लगा कर पढ़े, जो कुछ समझ में ना आए उसके बारे में पूछे, जो पढ़ा है उस पर चिंतन करें और उसे मन में उतारें, जो याद किया है उसे औरों को भी पढ़ाए, इससे आपका ज्ञान मजबूत हो जाएगा। मां-बाप तुम्हारे सबसे बड़े देवता है। हर किसी को खुश करना शायद हमारे बस की में न हो लेकिन किसी को हमारी वजह से दुख न पहुंचे यह तो हमारे बस में है। छोटी-छोटी बातों को इग्नोर करने से परिवार में नहीं होती कलह अभिषेक मुनि ने कहा कि जिस तरह से राख के ऊपर घी डाल दिया हो ऐसे ही परिवार में सुख-शांति न हो तो दान, धर्म किया सब बेकार है।

कैबिनेट मंत्री ने की व्यापारी नरेश जैन से मुलाकात

नरवाना। नरवाना के अपोलो चौक पर जैन ड्रेस वाले नरेश जैन पर गत 14 दिसम्बर को 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई थी और दुकान के बाहर लगे शीशे पर गोली चलाई गई थी। जिसको लेकर नरवाना में खौफ का माहौल हो गया था कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए और 48 घंटे के अंदर अंदर अपराधियों को नरवाना की सीआईए टीम ने काबू कर लिया। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी शनिवार देर सायं व्यापारी नरेश जैन के निवास स्थान पर पहुंचे जहां व्यापारी नरेश जैन ने कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी का स्वागत किया व धन्यवाद किया। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि बदमाशों के लिए हरियाणा में कोई जगह नहीं है पुलिस के पास हथियार भी हैं डंडे भी हैं जिसके लिए जो उचित होगा उसका वही समाधान कर दिया जाएगा। व्यापारी पूरी तरह सुरक्षित है उसको डरने की कोई जरूरत नहीं है डरेगा वह जिसने अपराध किया है। व्यापारी नरेश जैन ने फूल मालाओं से डीएसपी कमलदीप राणाए शहर थाना प्रभारी आत्मारामए सीआईए इंचार्ज सुखदेव सिंह का स्वागत किया।

कैबिनेट मंत्री ने बलिदानी मनीष को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा है कि सैनिकए खिलाड़ी तथा सिपाही सरीखे जवान देश की अमूल्य धरोहर होते हैंए ऐसे होनहार जवान का दुनिया से अकस्मात जाना समाज एवं राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति होता है। दिवंगत सैनिक मनीष कुमार भी इनमें से एक थेए जिनका आकस्मिक निधन परिवार के अलावा पूरे क्षेत्रए समाज तथा राष्ट्र के लिए भारी आघात है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने यह विचार दिवंगत सैनिक मनीष कुमार के प्रति अपने शोक संदेश में व्यक्त किये। कैबिनेट मंत्री रविवार को सैनिक मनीष कुमार की अचानक हुई मृत्यु पर शोक प्रकट करने के लिए मृतक के पैतृक गांव सुलेहड़ा स्थित उनके निवास पर पहुंचे। कैबिनेट मंत्री ने मृतक सैनिक के परिवार से मुलाकात की और शोक संतप्त परिजनों का ढांढस बंधाया।

नरवाना। बलिदानी मनीष को नमन करते हुए मंत्री कृष्ण कुमार बेदी।

कैबिनेट मंत्री ने मृतक सैनिक के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की और कहा कि मनीष कुमार का आकस्मिक निधन उनके परिजनों के लिए गहरा आघात ही नहीं बल्कि परिजनों के जीवन में नाकाबिले बर्दाश्त तथा लाइलाज चोट है। कैबिनेट मंत्री ने शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी और साथ ही मृतक सैनिक की आत्मा की शांति तथा पीड़ित परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने के लिए परमात्मा से प्रार्थना की। गौरतलब है कि करीब 30 वर्षीय सैनिक मनीष कुमार का गत 18 दिसम्बर को पश्चिम बंगाल स्थित एयरक्राफ्ट बेस में सुबह अभ्यास के बाद अचानक नस फटने से देहात हो गया था।

विद्यार्थी अपने लक्ष्य पर फोकस करें: नीरज

उचाना। दरोली खेड़ा स्थित ओम इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में परामर्श सत्र का आयोजन किया गया। परामर्शदाता नीरज कुमार ने किशोर विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य निर्धारण और उस पर पूर्ण एकाग्रता बनाए रखने का महत्व समझाया।यदि विद्यार्थी जीवन की शुरुआत से ही अपने लक्ष्य पर फोकस बनाए रखता है और निरंतर उसी दिशा में कार्य करता है तो जीवन में सफलता निश्चित रूप से प्राप्त होती है। बहुत ही सरल, व्यवहारिक एवं प्रेरणादायक उदाहरणों के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि अनुशासन, आत्म-नियंत्रण और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता ही सफलता की कुंजी है।

दिक्कत | पेमेंट नहीं होने के कारण ठेकेदार ने रोका काम

जैजैवंती में पेयजल संकट, छह माह से बंद पड़ा जलघर निर्माण कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

जुलाना क्षेत्र के जैजैवंती गांव में पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है। गांव के सैंकड़ों ग्रामीण बीते कई महीनों से गंभीर जल किल्लत का सामना कर रहे हैं। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि ग्रामीणों को अपनी दैनिक जरूरतों के लिए भी पानी जुटाना मुश्किल हो गया है। गांव में पीने के पानी की कोई स्थायी व्यवस्था न होने के कारण लोगों को या तो खेतों से पानी लाना पड़ रहा है या फिर मजबूरी में निजी साधनों से पानी खरीदना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों और मंत्रियों तक शिकायत की लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। सरकार और प्रशासन की ओर से गांव में जलघर निर्माण की शुरुआत तो करवाई गई थी। जिससे ग्रामीणों को उम्मीद जगी थी कि जल्द ही उनकी परेशानी दूर होगी। लेकिन पिछले करीब छह महीनों से जलघर का निर्माण कार्य पूरी तरह से बंद पड़ा है। न तो निर्माण कार्य आगे बढ़ रहा है और न ही किसी अधिकारी द्वारा इसकी सुध ली जा रही है।

जैजैवंती गांव निवासी कुलदीप ने बताया कि जैजैवंती गांव में इस समय पेयजल की स्थिति बेहद चिंताजनक है। गांव में पानी की कोई नियमित सप्लाई नहीं है। मजबूरी में ग्रामीणों को खेतों से पानी ढोकर लाना पड़ता है। जो पीने के लिए भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं है।

इसके अलावा कई परिवार 20 रुपये प्रति कैंपर के हिसाब से पानी खरीदने को मजबूर हैं। जिससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है। महिलाओं और बच्चों को इस संकट का सबसे ज्यादा खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। महिलाओं को रोजाना कई किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ता हैए जिससे उनका अधिकांश समय इसी में खर्च हो जाता है। बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही हैए क्योंकि वे भी पानी लाने में हाथ बंटाने को मजबूर है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जलघर के निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करवाया जाए और गांव में नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि अगर समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आने वाले समय में हालात और भी गंभीर हो सकते हैं।

जुलाना। जलघर का बंद पड़ा कार्य। फोटो : हरिभूमि

पेमेंट आते ही शुरु होगा निर्माण कार्य

जनस्वास्थ्य विभाग जुलाना के जेई नवीन नेहरा ने बताया कि 15 फाइनेंस कमीशन के तहत जलघर का निर्माण करवाया जा रहा था लेकिन ठेकेदार की पेमेंट नही हुई तो उसने काम करने से मना कर दिया। जैसे ही पेमेंट आएगी फिर से काम शुरू करवाकर जलघर का निर्माण कार्य पूरा करवा दिया जाएगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005